सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

# परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

**आज का सुविचार**

बुरा वक्त भी हमे कुछ नया सीखा जाता है, कुछ नया नहीं तो, हमे अपने और पराये की पहचान करा ही जाता है।

वर्ष 01, अंक 10, नई दिल्ली

रविवार, 26 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

**इनसाइड**

## रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 21 बसें, यात्रियों को मिलेगी राहत

**जींद।** बसों की कमी से यात्रियों को होने वाली परेशानी जल्द दूर हो जाएगी। जल्द ही डिपो में 21 नई बस शामिल की जाएंगी। इससे यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। बसों की कमी के कारण कई छात्रों और ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगी। परिवहन विभाग के पास 20 बस टाटा से अनुबंध व एक बस गुरुग्राम से आएगी। इस समय डिपो में 170 से अधिक बस आनरूट हैं। जिसमें से किलोमीटर स्कीम की 37 बस शामिल हैं। यात्रियों की संख्या के हिसाब से डिपो में बसों की संख्या 200 से ज्यादा होनी चाहिए। जींद डिपो की बसों में हर रोज 16 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले पांच हजार से अधिक यात्री शामिल हैं। बसों की कमी के चलते यात्रियों को ग्रामीण रूट पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो वर्ष पहले रोडवेज बेड़े में पिंक बसों के बंद होने से स्कूल कॉलेज में जाने वाली छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

# मैट्रो के फंड की कुर्की से हडकंप, थमेगा चक्का

## मचेगी अफरा-तफरी, रिव्यू याचिका की सुनवाई

**कुर्की से मैट्रों का दिल्ली-एनसीआर में संचालन पूरी तरह से ठप्प हो जाएगा।**

एस.ठी. सेठी

**नई दिल्ली।** रिलायंस इंफ्रा के तहत दिल्ली एयरपोर्ट मैट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमइपी एल) की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट से जारी मैट्रो के तमाम फंड की कुर्की के आदेश से पूरी मैट्रो व्यवस्था को लेकर हडकंप मच गया है।

मैट्रो (डीएमआरसी) ने अपनी पुनर्विचार याचिका में कहा है कि टोटल डीएमआरसी फंड के अन्तर्गत तमाम रखरखाव, संचालन, समेत उसके वैधानिक खर्चो, कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन,मेडिकल, खर्च और रिटायर्ड स्टाफ को दिये जाने वाले लाभों,स्मार्ट कार्ड पर सिक्योरिटी डिपोजिट जैसे खर्चो के पैसों की कुर्की से मैट्रों का दिल्ली-एनसीआर में संचालन पूरी तरह से ठप्प हो जाएगा। इसके अलावा मेट्रो में रोजाना सफर करने वाले करीब 50 लाख से ज्यादा यात्री सडकों पर आने से से असुविधा होगी, और राष्ट्रीय राजधानी की सडकों पर अफरा-तफरी के हालात पैदा हो जाऐगे।

राजधानी की सूरत हालात के मद्देनजर जस्टिस यशवंत वर्मा ने 29 मार्च को मैट्रो की रिव्यू याचिका पर सुनवाई की सहमति देते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार के अधिवक्ताओं से कहा कि वह इस दरमियान 17 मार्च के फैसले के बारे में उचित निर्देश लें। कोर्ट ने साफतौर पर कहा कि वह डीएमआरसी के अनुरोध पर फैसला लेने के लिए केंद्र और राज्य सरकार को दिए गए दो हफ्ते की समय सीमा से पहले भी इस मुद्दे को सुनेंगे। दलीलों के बीच ही कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से पूछा कि मामले के हल होने की उम्मीद है? इस पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमन ने कहा कि जानकारी तो नहीं है, पर भरोसा दिला सकता हूं।

## हाईवे का निर्माण अधूरा, फिर भी हो रही टोल की वसूली

**बिलासपुर।** रामपुर जिले की सीमा में कई स्थानों पर नैनीताल हाईवे के चौड़ीकरण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। इसके बाद एनएचएआई की ओर से हाईवे से गुजरने वाले वाहनों से टोल वसूला जा रहा है। अधूरे पड़े हाईवे में गड्ढे, धूल व अधूरे पुलों पर जान जोखिम में डालने के बाद जब वाहन चालक टोल प्लाजा पर पहुंचते हैं तो वह और परेशान हो जाते हैं। परेशान वाहन चालकों व ट्रांसपोटरों की मांग है कि हाईवे चौड़ीकरण कार्य जल्दी पूरा किया जाय या फिर टोल की वसूली बंद की ज। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कई वर्षो से जर्जर हो चुके नैनीताल काठगोदाम हाईवे के चौड़ीकरण परियोजना का शिलान्यास फरवरी 2016 में किया था तथा इसका जिम्मा कार्यदायी संस्था सद्भाव इंजीनियरिंग को दिया था।इसके तहत सड़क का चौड़ीकरण और फोरलेन का काम होना था।यह कार्य दो हिस्सों में मंजूर हुआ था, जिसमें से एक रामपुर से रूद्रपुर तक था जिसकी लंबाई 49 किलोमीटर है, जबकि दूसरा रूद्रपुर से काठगोदाम तक मंजूर हुआ था।

# ऑटो एक्सपो: टैक्स में दी जा रही 50 प्रतिशत की छूट

## सीएम भूपेश ने की परिवहन विभाग की सराहना

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज ग्राउण्ड में रायपुर ऑटो मोबाइल्स डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के तत्वाधान में आयोजित 7वें ऑटो एक्सपो में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने की।

मुख्यमंत्री का इस अवसर पर राडा की ओर से रायपुर ऑटो एक्सपो में सरकार की ओर से दी जा रही टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट पर काफी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार व्यक्त किया गया। इस निर्णय से ऑटो एक्सपो को दौरान वाहन खरीदी करने वाले लोगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। वहीं ऑटो मोबाईल्स डीलर्स के व्यवसाय में वृद्धि भी होगी। उन्होंने इसे आम जनता के लिए बड़ी राहत और फायदेमंद बताया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ऑटो मोबाइल्स सेक्टर से जुड़े डीलरों, वाहन निर्माताओं और उपभोक्ताओं को हिन्दू नववर्ष और नवरात्रि की बधाई दी। उन्होंने कहा कि राडा द्वारा राजधानी रायपुर में ऑटोमोबाइल्स सेक्टर में मध्य भारत के सबसे बड़े इवेंट ऑटो एक्सपो 2023 का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को एक ही स्तर पर नए-नए प्रोडक्ट के बारे में सुगमता से जानकारी मिलेगी और वाहन क्रय करने में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हुई है। शहरों से लेकर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न तरह के वाहनों की मांग बढ़ी है। आने वाले समय में यह मांग और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि आज देश और दुनिया जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, उनमें वाहनों की भी अहम भूमिका है। आज समाज में बदलाव के साथ-साथ वाहनों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। साथ ही वर्तमान में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ रही है।

# टाटा की लख टकिया कार नैनों ,सोलर में मॉडिफाई

परिवहन विशेष संवाददाता

**एसडी सेठी, नई दिल्ली।** टाटा की बंद हो चुकी सबसे सस्ती कार टाटा ₹नैनो₹ एक बार फिर चर्चा में है। चर्चा इसकी अपडेट नहीं, बल्कि एक नैनो कार ओनर ने इसे पैट्रोल से निकालकर सोलर कार में तब्दील यानि, मॉडिफाई किया है। पश्चिम बंगाल के में रहने वाले मनोजीत मंडल नाम के बिजनेसमैन ने पैट्रोल व -सीएनजी गैस की बढती कीमतों के चलते अपनी कार को सोलर कार में मॉडिफाई करके महज 30-35 रूपये के खर्च में 100 किलोमीटर की दूरी तय करवा दी है। यह टॉप स्पीड 80 किमी. घंटे के हिसाब से दौड रही है।

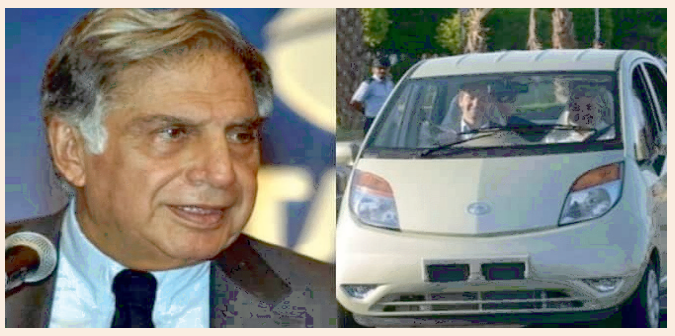

गौरतलब है कि नैनो कार रतन टाटा के सपनों की कार थी। वह उन लाखों लोगों के सपने को पूरा करना चाहते थे,जो महंगी कार कभी नहीं खरीद पाएगें। टाटा नैनो को 10 जनवरी 2008 को लांच किया गया था। जिसकी एक्स -शोरूम कीमत सिर्फ 1 लाख रूपये थी। यह कार बीएस-3, मानक पर आधारित थी, जिसमें 624सीसी का इंजन दिया गया था। जो 38पी एस की पावर जनरेटर करता था। कार कई अपडेट के साथ 2019 तक बिक्री पर रही, लेकिन बाद में उत्सर्जन मानदंडों और सुरक्षा सुविधाओ के कारण इसे बंद कर दिया गया। फिलहाल पिछले साल देश में इलैक्ट्रिक वाहनों की मांग में जबरदस्त उछाल आया। जिससे पैट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है, साथ में प्रदूषण की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इससे यह साबित होता है कि आगे आने वाला समय सौर उर्जा और इलैक्ट्रिक वाहनों में तब्दील होने वाला है।

**टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट**

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

# महामंडलेश्वर पवनानंद गिरि जी महाराज जिनका लक्ष्य है जीवन के साथ एवं जीवन के बाद भी मानव सेवा

परिवहन विशेष संवाददाता

**नई दिल्ली।** मनुष्य के जीवन पर उसके पारिवारिक परिवेश एवं संस्कारों का गहरा असर होता है। श्री श्री अयोध्या धाम (ट्रस्ट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर श्री श्री श्री श्री पवनानंद गिरी पर भी उनके पारिवारिक, आध्यात्मिक परिवेश एवं संस्कारों का गहरा असर है। उन्होंने सनातन धर्म प्रचार एवं समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया है। संत का जीवन ही परोपकार के लिए होता है और यह जीवन दर्शन श्री श्री श्री श्री श्री पावनानंद गिरीजी के व्यक्तित्व में स्पष्ट झलकता है।

संतश्री ने 'श्री श्री अयोध्या धाम' के नाम से 21 जनवरी 2022 को एक ट्रस्ट की भी स्थापना की है। यह ट्रस्ट मानव कल्याण एवं समाज सेवा को लक्ष्य कर बनाया गया है। 3 साल की अल्पायु से ही योग और साधना के माध्यम से जीवन को धन्य करने का लगन उनके संत स्वभाव एवं परित्यक्त जीवन को परिलक्षित करता है। उन्होंने 16 साल तक लगातार साधना की।

स्वामी परमानंद गिरि ने जीवित रहते हुए मानवता की सेवा करने का प्रण तो लिया ही हैं परंतु वह राजर्षि दशरथ ऑटोनॉमस स्टेट मेडिकल कॉलेज अयोध्या, यूपी को अपना देह दान भी कर मानवता के प्रति अपने पूर्ण समर्पण का अनुपम उदाहरण पेश किया है। जिसमें यह साफ झलकता है कि उनके अंतर्मन की तार अध्यात्म एवं बैराग्य से जुड़ा है। सरल स्वभाव एवं प्रसन्न चित्त व्यक्तित्व के धनी पावनानंद गिरि जी महाराज अनवरत विभिन्न रूपों में मानव सेवा के काम में लगे है। जब उनसे देश की राजनीति पर सवाल पूछा गया कि मोदी जी की सरकार को कितना बेहतर मानते हैं, तो उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सनातन धर्म को मजबूत करने एवं भगवान राम के मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर एक प्रशंसनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत हिंदू बाहुल्य राष्ट्र है, इसलिए भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाना कहीं से भी अनुचित नहीं है। दूसरी तरफ सरकार को कठोर कानून बनाकर धर्मांतरण जैसे गंभीर प्रकरण पर भी अंकुश लगा देना चाहिए। देश की भोली-भाली जनता को बहला-फुसलाकर कुछ स्वार्थी एवं हिंदू विरोधी ताकते धर्मांतरण करा रही है, जिस पर पूर्ण अंकुश लगना चाहिए। केंद्र की मोदी सरकार को इसके लिए कठोर कानून बनाने की जरूरत है।

**संत का जीवन ही परोपकार के लिए होता है और यह जीवन दर्शन श्री श्री श्री श्री श्री पावनानंद गिरीजी के व्यक्तित्व में स्पष्ट झलकता है।**

## वाहनों की चेकिंग की रस्म अदायगी, दो जीप सीज

**टनकपुर/पूर्णागिरि (चंपावत)।** दो दिन में तीन सड़क दुर्घटनाएं, छह श्रद्धालुओं की मौत और 11 घायल। नवरात्र शुरू होने के दूसरे दिन बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुए इन दो हादसों ने चिंता की लकीर बढ़ा दी है। इन दुर्घटनाओं के बाद टनकपुर और पूर्णागिरि क्षेत्र में यातायात सुरक्षा के उपाय बढ़ाने की कुछ कवायदें की गईं। दुर्घटना स्थल पर भी एहतियाती कदम उठाए गए। पुलिस की गश्त बढ़ी और परिवहन विभाग की चेकिंग। लेकिन जो किया गया है दावे उससे काफी ज्यादा किए गए हैं। परिवहन विभाग ने शुक्रवार को ठुलीगाड़-भैरव मंदिर पर चेकिंग अभियान चलाया। कुछ वाहनों पर कार्रवाई की। एआरटीओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि परमिट के बगैर चल रही दो जीपों को सीज किया गया है। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस के बगैर जीप चला रहे एक चालक पर भी कार्रवाई की गई है। ठुलीगाड़-भैरव मंदिर सड़क पर 13 जीपों का यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान किया गया।

**आतिशी ने मंत्रालय संभालते एक्शन मोड में आते हुए दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों पर नजर रखना शुरू कर दिया**

# केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और सांसद रमेश बिधूड़ी ने किया 'सांसद खेल स्पर्धा' का दो दिवसीय महिला व पुरूष कबड्डी टूनार्मेन्ट का शुभारंभ

दिलीप देवतवाल

**नई दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से खेलो इंडिया कायर्क्रम के तहत 'सांसद खेल स्पर्धा द्वितीय फेस' के अंतगर्त सांसद रमेश बिधूड़ी ने विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन के माध्यम से दो दिवसीय 25 मार्च से 26 मार्च 2023 तक महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन तुगलकाबाद गॉव स्थित डीडीए खेल परिसर में करवाया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ माननीय केन्द्रीय मंत्री वाणिज्य और उद्योग श्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र से कुल 72 महिला एवं पुरूष की टीमों ने भाग लिया।

इस दौरान दक्षिणी दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग कबड्डी के रोमांचक मुकाबले देखने पहुँचे। इस मुकाबले में प्रथम विजयी टीम को 11000 रूपये, द्वितीय स्थान पाने वाली टीम को 7100 रूपये एवं तृतीय स्थान पाने वाली टीम को 5100 रूपये नकद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा।प्रतियोगिता शुभारंभ के पश्चात केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने खिलाड़ियों का उत्साह वधर्न करते हुए कहा कि आज देश में हर जगह तिरंगा लहराता हुआ दिखाई पड़ता है जो कि इस प्रकार नहीं दिखाई पड़ता था, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री माननीय मोदी ने देशवासियों में राष्ट्र के प्रति भावना जाग्रत करने का काम किया है। देश में पहली बार आजादी का अमृत महोत्सव देशवासियों द्वारा पूर्ण हषोर्ल्लास के साथ मनाया गया। देश के हर नागरिक ने हर घर तिरंगा लगाकर दुनिया को एकता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि आदरणीय मोदी जी युवाओं के प्रति इतने सजग हैं कि वह स्वयं अपने संसदीय क्षेत्र में खेल स्पधार्ओं का आयोजन करते हैं और उनमें सम्मिलित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले खेलकूद को ज्यादा प्राथमिकता नहीं दी जाती थी, लेकिन आज मोदी जी के नेतृत्व में खेलों इंडिया कायर्क्रम के अंतगर्त हर गरीब कमजोर वर्ग से युवाओं को बगैर आर्थिक समस्या के अपनी प्रतिभा को निखारने व आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है और खले प्रति युवाओं में अधिक रूचि देखने को मिल रही है।

इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि दूरदराज क्षेत्रों, उड़ीसा, बिहार, झारखण्ड, उ0प्र0, मध्य प्रदेश जहाँ गॉव देहात, कस्बों में गरीब लोग रहते हैं, जहां के युवाओं की खेलकूद में प्रतिभा होते हुए भी वह सुविधाओं के अभाव में अपनी प्रतिभाओं को प्रदशिर्त नहीं कर पाते थे और ना ही कभी उन्हे पहले अवसर मिलते थे, ऐसा 65 वर्ष तक होता रहा, देश में पदक विजेताओं की संख्या काफी कम थी। लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश में खेलों के विकास व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आर्थिक परेशानियों के बिना आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन हेतु राष्ट्रीय कायर्क्रम 'खेलो इंडिया' की शुरूआत की। जिसके तहत संसदीय क्षेत्रों में सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त खेलों के आयोजन करवाने का आग्रह किया। जिसके बाद से देशभर में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले युवाओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभा का प्रदशर्न करने का मौका मिल रहा है। वह अपने गॉव, जिला और राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। बिधूड़ी ने प्रसन्नता के साथ कहा कि दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में वर्ष 2021 से रन फॉर यूनिटी, किक्रेट, वॉलीबॉल, खो-खो आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

युवाओं में खेलों के प्रति रूचि का स्तर बढ़ा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 2022 में 23 व 24 मार्च को आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता जिसमें 59 टीमों ने भाग लिया था और आज इस प्रतियोगिता में दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र से 72 कबड्डी की टीमों ने पंजीकरण करवा कर प्रतियोगिता में भाग लिया है।

इस अवसर पर बिधूड़ी ने कबड्डी के मुकाबले देखने आये दशर्कों को जानकारी देते हुए कहा कि कल 26 मार्च को प्रतियोगिता का समापन और माननीय प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कायर्क्रम भी है जो प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11:00 बजे से 11:30 बजे तक सुना जाता है के अवसर पर माननीय आवास और शहरी विकास मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी जी का मुख्य अतिथि के रूप में आगमन होगा और वह सभी दशर्कों के साथ 'मन की बात' कायर्क्रम भी सुनेंगे व प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए अपना आशीवार्द भी देगें।

इनसाइड

## सर्वाइकल कैंसर का खतरा युवा महिलाओं को ज्यादा, अपोलो की डॉक्टर सारिका गुप्ता ने बताए बचाव के तरीके

कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि की वजह से हो जाता है. कैंसर कई तरह के होते हैं. इनमें से एक सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer) होता है, जो महिलाओं में होने वाला कॉमन कैंसर है. दुनियाभर में हर साल बड़ी तादाद में महिलाएं महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं. चिंताजनक बात यह है कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा कम उम्र की महिलाओं को ज्यादा होता है. आज कैंसर स्पेशलिस्ट से जानेंगे कि सर्वाइकल कैंसर क्या है, इसके क्या लक्षण होते हैं और इससे किस तरह बचा जा सकता है.

नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी ओन्कोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर सारिका गुप्ता के मुताबिक सर्वाइकल कैंसर महिलाओं की बच्चेदानी के मुख में होने वाला कैंसर है. इसे बच्चेदानी के मुंह का कैंसर भी कहा जाता है. आमतौर पर 35 साल से लेकर 50 साल की उम्र वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है. यह कैंसर दो तरह का होता है- पहला लो ग्रेड और दूसरा हाई ग्रेड. लो ग्रेड कैंसर धीरे-धीरे फैलता है, जबकि हाई ग्रेड कैंसर तेजी से फैलता है और इसमें मौत का खतरा ज्यादा होता है. ऐसे में सही वक्त पर इलाज कराना बेहद जरूरी है.

ऐसी महिलाओं को खतरा ज्यादा

डॉक्टर सारिका गुप्ता कहती हैं कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा उन महिलाओं को ज्यादा होता है, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर हो और एचआईवी या अन्य कोई गंभीर बीमारी हो. मल्टीपल सेक्सुअल पार्टनर, जेनिटल हाइजीन की कमी और जल्दी बच्चे होने वाली महिलाओं को इसका जोखिम ज्यादा होता है. इसके अलावा स्मोकिंग करने से भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. 30 साल की उम्र के बाद महिलाओं को इससे बचने के लिए समय-समय पर स्क्रीनिंग करानी चाहिए. सर्वाइकल कैंसर का पता प्री-कैंसरस स्टेज में भी लगाया जा सकता है और सही इलाज के जरिए कैंसर से बचा भी जा सकता है.

### सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

– पार्टनर के साथ संबंध बनाने के बाद ब्लीडिंग
– पीरियड्स के बीच अनियमित माहवारी होना
– बदबूदार पानी आना या ब्लड स्ट्रीम डिस्चार्ज
– मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग या स्पॉटिंग होना

### सर्वाइकल कैंसर का ट्रीटमेंट और बचाव

डॉक्टर के अनुसार सर्वाइकल कैंसर अगर शुरुआती स्टेज में हो, तो सर्जरी के जरिए इसका इलाज किया जाता है. एडवांस स्टेज में कीमोथेरेपी की जरूरत होती है. हर मरीज की कंडीशन को देखकर ही ट्रीटमेंट किया जाता है. जितना जल्दी इसका पता लग जाए, मौत का खतरा उतना कम हो सकता है. बचाव की बात करें, तो सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए HPV का टीका लगवाएं और अपनी इम्यूनिटी को बूस्ट करें. स्मोकिंग से दूरी बनाएं और संबंध बनाते वक्त कॉन्ट्रासेप्टिव इस्तेमाल करें. समय-समय पर गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर अपनी जांच करवाएं.

# 5 सेफ्टी टूल्स महिलाएं हैंड बैग में जरूर रखें साथ

## मुसीबत में आएंगे बहुत काम कैरी करने में भी नहीं होगी दिक्कत

अकेले ट्रैवल करते समय ज्यादातर महिलाएं अपनी सेफ्टी को लेकर चिंतित रहती हैं. खासकर शाम या रात के वक्त महिलाओं का अकेले सफर करना सुरक्षित नहीं होता है. ऐसे में अगर आप चाहें तो हैंड बैग में अपने साथ कुछ सेफ्टी टूल्स (Safety tools) रख सकती हैं. जो कि ना सिर्फ मुसीबत में आपके काम आएंगे बल्कि इन्हें कैरी करने में भी आपको कोई दिक्कत भी नहीं होगी. घर से निकलते समय ज्यादातर महिलाएं हैंड बैग में मेकअप प्रोडक्ट्स जैसी जरूरत की सारी चीजें रखती हैं. मगर ऐसे में कई महिलाएं अक्सर अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज कर देती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं कुछ वुमन सेफ्टी टिप्स, जिसे फॉलो करके आप अकेले भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चत कर सकती हैं.

**पेपर स्प्रे रखें:** महिलाओं के लिए हैंड बैग में पेपर स्प्रे रखना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है. पेपर स्प्रे की छोटी सी बोतल आपको बड़ी परेशानी से दूर रखने में सहायक हो सकती है. वहीं मार्किट में भी पेपर स्प्रे की अलग-अलग साइज की बोतलें आसानी से मिल जाती है.

**कैंची रखें:** ऑफिस पर्पस या रोजमर्रा के अन्य कामों में कैंची का इस्तेमाल काफी कॉमन होता है. ऐसे में आप अपने साथ हैंड बैग में कैंची भी रख सकती हैं. इससे ना सिर्फ आप कई कामों को आसान बना सकती हैं बल्कि अपनी सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकती हैं.

**सेफ्टी पिन यूज करें:** सेफ्टी पिन का इस्तेमाल महिलाओं के डेली रूटीन में आम होता है. आमतौर पर ड्रेस को टक करने के लिए महिलाएं सेफ्टी पिन की मदद लेती हैं. मगर सेफ्टी पिन आपके लिए बेस्ट सेफ्टी टूल भी साबित हो सकती है. इसे हमलावर पर चुभाकर आप अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं.

**नेलकटर या स्विस नाइफ कैरी करें:** सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिलाएं अपने बैग में नेलकटर या चाकू कैरी कर सकती हैं. खासकर स्विस नाइफ रखना आपके लिए बेहतर ऑप्शन साबित हो सकता है. जिसकी मदद से आप हमलावार पर तुरंत पलटवार कर सकती हैं.

**चाबी की मदद लें:** अकेले सफर करने के दौरान चाबी का इस्तेमाल करके आप अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं. हमलावर के अटैक करते ही आप चाबी के नुकीले हिस्से की मदद से तुरंत रिएक्ट कर सकती हैं. इसलिए घर से निकलते समय किसी बड़ी नुकीली चाबी को हैंड बैग में जरूर रख लें.

# व्हट्सअप चैट करने में महिलाएं पुरुषों से आगे, सर्वे में खुलासा, मेंटल हेल्थ से जुड़ा है मामला

व्हाट्सएप पर चैट करने में महिलाएं पुरुषों से काफी आगे हैं. हाल ही में मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन (Mental Health Helpline) की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि टेलिफोन पर कंसल्टेशन या काउंसलिंग लेने के बजाय महिलाएं व्हाट्सएप चैट (WhatsApp Chat) के माध्यम से गोपनीय तरीके से मदद लेना पसंद करती हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स फेसबुक (Facebook), ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलिग्राम, व्हाट्सएप (WhatsApp) या अन्य किसी भी एप्लिकेशन का इस्तेमाल आज बहुत ज्यादा बढ़ गया है. चाहे किसी समस्या का समाधान ढूंढना हो, मनोरंजन करना हो, जानकारी लेनी-देनी हो या सगे-संबंधियों से बातचीत करनी हो तो लोग इन एप्स (App) का इस्तेमाल करते हैं. कभी-कभी चैट में मैसेज टाइप करते-करते उलझन सी भी महसूस की होगी लेकिन महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है. व्हाट्सएप पर चैट करना (WhatsApp Chatting) महिलाओं को न केवल फोन पर बात करने के मुकाबले ज्यादा आसान लगता है बल्कि कॉनफिडेंशियल भी लगता है. वे व्हाट्सएप चैट करने में पुरुषों से काफी आगे हैं. खास बात है कि ये चैट भी इस हेल्पलाइन 9999666555 नंबर पर की गई है जो एक मेंटल हेल्थ ऑर्गनाइजेशन का है.

मानसिक स्वास्थ्य संगठन वंद्रेवाला फाउंडेशन की फ्री राष्ट्रीय हेल्पलाइन के 3 महीनों के आंकड़े बताते हैं कि फाउंडेशन की हेल्पलाइन पर मेंटल इश्यूज को लेकर सलाह और परामर्श लेने वालों में युवा आबादी ने सबसे ज्यादा व्हाट्सएप का उपयोग किया है. जबकि मध्यम आयु वर्ग और उससे ऊपर के लोगों ने टेलीफोनिक बातचीत को अधिक पसंद किया.

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य की मदद के लिए व्हाट्सएप का उपयोग कर रहे हैं और इसे बेहतर मानते हैं. 18 वर्ष से कम आयु के 65 फीसदी, 18-35 आयु वर्ग के 50 फीसदी, 35-60 आयु वर्ग के 28.3% और 60 वर्ष से अधिक आयु के 8 फीसदी लोगों ने मेंटल हेल्थ के लिए व्हाट्सएप यूज किया है.

**53 फीसदी महिलाएं जबकि पुरुष 42 फीसदी..**

फाउंडेशन के डेटा के अनुसार लगभग 53 फीसदी महिलाएं व्हाट्सएप चैट का उपयोग करके हेल्पलाइन से संपर्क करना पसंद करती हैं, जबकि 42 फीसदी पुरुष व्हाट्सएप चैट का उपयोग करना पसंद करते हैं. वहीं बाकी मामलों में लोग टेलिफोन के द्वारा काउंसलिंग लेते हैं.

खास बात है कि व्हाट्सएप ने उस वर्ग को सबसे ज्यादा राहत दी है जो शायद कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता ऑफलाइन क्लीनिकों पर जाकर नहीं ले सकता था. खासतौर पर ऐसी महिलाएं, लड़कियां और युवक जो अपने परिवार या साथियों को बिना बताए अपने मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं पर चर्चा करना चाहते हैं वे व्हाट्सएप का इसके लिए इस्तेमाल करते हैं. वे इसे गोपनीय मानते हैं और समय की उपलब्धता के अनुसार साइलेंट तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान हासिल कर पाते हैं.

**सुसाइड के विचारों से जूझ रहे लोग**

फाउंडेशन की प्रमुख और परोपकारी, प्रिया हीरानंदानी वंद्रेवाला कहती हैं, 'हमसे संपर्क करने वाले एक तिहाई लोगों ने हमें बताया कि वे मानसिक बीमारी, चिंता, अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे हैं. 2022 में भारत में हत्याओं और कोरोना वायरस से ज्यादा जानें आत्महत्या ने लीं. भले ही आज देश का हर मेडिकल छात्र मनोचिकित्सक बन गया हो, हमारे पास मानसिक स्वास्थ्य संकट को हल करने के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं. इसके साथ ही मेंटल हेल्थ के लिए मदद लेने वाले लोगों के मन में झिझक और डर को दूर करने की भी जरूरत है.

## 30 की उम्र में हर महिला जरूर कराएं ये 10 टेस्ट, कई घातक बीमारियों से रहेंगी महफूज, डॉक्टर ने बताई असली वजह

अगर आप 30 साल की हो गई हैं तो समय आ गया है कि आप अपने कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य को गंभीरता से लें.अगर आप 30 साल की हो गई हैं तो समय आ गया है कि आप अपने कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य को गंभीरता से लें.

30 की उम्र के बाद महिलाओं की हड्डियां कमज़ोर होने लगती हैं. उनके हॉर्मोन्स में असंतुलन होने लगता है. ऐसे में उम्र बढ़ने के साथ शरीर की सेहत को बनाए रखना और इन बदलावों के लिए तैयार रहना बहुत ज़रूरी है. यदि आपकी उम्र 30 वर्ष से अधिक है तो डॉ. सारिका गुप्ता के बताए इन महत्वपूर्ण टेस्ट को ज़रूर करा लें.

महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ उनके शरीर में कुछ बदलाव आने लगते हैं. ये बदलाव उनके लुक, हड्डियों, हॉर्मोन्स और समग्र स्वास्थ्य में हो सकते हैं. 30 की उम्र के बाद महिलाओं की हड्डियां कमज़ोर होने लगती हैं. उनके हॉर्मोन्स में असंतुलन होने लगता है. मांसपेशियों की क्षमता कम होने लगती है और यहां तक की प्रजनन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं. ऐसे में उम्र बढ़ने के साथ शरीर की सेहत को बनाए रखना और इन बदलावों के लिए तैयार रहना बहुत ज़रूरी है. यदि आपकी उम्र 30 वर्ष से अधिक है तो आप इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल (नई दिल्ली) की ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक गायनोकोलॉजी की सीनियर कंसलटेंट डॉ. सारिका गुप्ता के बताए इन महत्वपूर्ण टेस्ट को ज़रूर करा लें, ताकि आप लंबी उम्र तक स्वस्थ और फिट रह सकें.

थायराइड फंक्शन टेस्टः थायरॉक्सिन (टी4) और ट्राईआयोडोथॉयरोनिन (टी3), ये थायराइड ग्लैंड से उत्पन्न होने वाले दो प्रमुख हॉर्मोन हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज़्म पर नियंत्रण बनाए रखते हैं. अगर ये हॉर्मोन सामान्य से अधिक या कम मात्रा में बनने लगें तो इसे क्रमशः हाइपरथायराइडिज्म और हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं. महिलाओं में थायराइड से जुड़ी समस्याओं की संभावना पुरुषों की तुलना में अधिक होती है. आप थायराइड फंक्शन टेस्ट के द्वारा पता लगा सकती हैं कि आपके शरीर में थायराइड हॉर्मोंस का स्तर सामान्य है या नहीं.

पैप स्मियर टेस्ट और पेल्विक जांचः पैप स्मियर टेस्ट में सर्विक्स की सेल्स की जांच कर यह पता लगाया जाता है कि महिला में सर्वाइकल कैंसर की संभावना तो नहीं. इस जांच के द्वारा सर्वाइकल कैंसर का निदान बहुत जल्दी हो जाता है. इससे समय पर इलाज किया जा सकता है. इसके अलावा, पेल्विक जांच में महिला के प्रजनन अंगों जैसे वल्वा, गर्भाश्य, वेजाइना, ओवरीज आदि की जांच की जाती है. सभी महिलाओं को सलाह दी जाती है कि 21 साल की उम्र के बाद उन्हें हर दो या तीन साल बाद नियमित रूप से पेल्विक जांच एवं पैप स्मियर टेस्ट ज़रूर कराने चाहिए.

मैमोग्राम टेस्टः मैमोग्राम में डॉक्टर स्तनों की स्क्रीनिंग कर स्तन कैंसर का पता लगाते हैं. 40 साल की उम्र के बाद महिलाओं में स्तन कैंसर की संभावना अधिक होती है. हालांकि, समय पर निदान के द्वारा महिला की ज़िंदगी को बचाया जा सकता है. कैंसर के फैलने से पहले ही अगर इलाज हो जाए तो मरीज के जीवित रहने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है. इसके लिए मैमोग्राम बहुत उपयोगी है, जो कैंसर के जल्द निदान में मदद करता है.

ब्लड प्रेशर और कॉलेस्ट्रॉल की जांचः अगर आप 30 साल की हो गई हैं तो समय आ गया है कि आप अपने कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य को गंभीरता से लें. 20 साल की उम्र के बाद हर व्यस्क को हर दो साल में ब्लड प्रेशर और कॉलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए. चाहे आप अपने आप को कितना ही स्वस्थ महसूस करती हों, आपको अपना कॉलेस्ट्रॉल ज़रूर चेक करवाना चाहिए. वजन अधिक है या डायबिटीज है, तो कॉलेस्ट्रॉल बढ़ने की संभावना अधिक होती है.

कैल्शियम और विटामिन डी टेस्टः ऑस्टियोपोरोसिस की वजह से हड्डियों को कमज़ोर होने से रोकने के लिए ज़रूरी है कि आप अपनी बोन डेंसिटी ठीक बनाए रखें. ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी बीमारी है, जो दुनिया भर में बड़ी संख्या में महिलाओं में पाई जाती है. हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अपने विटामिन डी और कैल्शियम के स्तर पर निगरानी रखें. नियमित जांच के द्वारा आप तय कर सकती हैं कि क्या आपको विटामिन डी सप्लीमेंट्स की ज़रूरत है या नहीं. ब्लड शुगर लेवल की जांच भी है जरूरीः उपरोक्त हेल्थ चेकअप के अलावा, महिलाओं को अपने ब्लड शुगर, त्वचा में होने वाले बदलावों पर भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि 30 की उम्र के बाद नए मस्से, तिल होना आम बात है. साथ ही हर 6 महीने में अपना फुल-बॉडी चेकअप कराना न भूलें.

# दिल्ली की बिजली: सीएम बोले- फ्री बिजली बंद करने की रच रहे साजिश, फिर कहते हैं लड़ता बहुत है केजरीवाल

## मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर पांच अप्रैल को होगी सुनवाई

बिजली मंत्री आतिशी ने जहां शुक्रवार को विधानसभा में बिजली सब्सिडी से जुड़ा मुद्दा उठाया, वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट करते हुए उपराज्यपाल पर बिजली की फाइलों को दबाकर बैठने का आरोप लगाया।

**नई दिल्ली।** दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल के बीच हमेशा से ही किसी न किसी मुद्दे पर खींचतान बनी रहती है। इस बार मुद्दा फ्री बिजली का है। इसे लेकर जहां दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को जल्द स्पष्टीकरण देने को कहा है, वहीं आम आदमी पार्टी का आरोप है कि एलजी इस मुद्दे की फाइल दबाकर बैठे हैं।

बिजली मंत्री आतिशी ने जहां शुक्रवार को विधानसभा में बिजली सब्सिडी से जुड़ा मुद्दा उठाया, वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट करते हुए उपराज्यपाल पर बिजली की फाइलों को दबाकर बैठने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'फिर कहते हैं केजरीवाल लड़ता बहुत है। दिल्ली की फ्री बिजली को बंद करने के लिए साजिश रची जा रही है। लेकिन हम इनकी साजिश को कभी सफल नहीं होने देंगे। दिल्ली की जनता के हक के लिए केजरीवाल चट्टान की तरह खड़ा मिलेगा। एलजी साहब, बाद में कृपया ये मत कहिएगा कि मर्यादाएं टूट रही हैं।'

**आतिशी ने विधानसभा में क्या कहा था**

बिजली मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को बिजली के मुद्दे पर विधानसभा में सवाल उठाया। इस दौरान उन्होंने उपराज्यपाल की शह पर मुख्य सचिव और बिजली सचिव पर साजिश के तहत फ्री बिजली पर रोक लगाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं उन्होंने मुख्य सचिव व बिजली विभाग के उच्चाधिकारी बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए साठगांठ करने का भी दावा किया।

उन्होंने कहा कि बिजली सब्सिडी की अहम फाइल 15 दिन के भीतर कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत करनी की थी, लेकिन 14 दिन बीतने के बाद भी फाइल कैबिनेट तक नहीं पहुंची जबकि 14 दिन पहले उपराज्यपाल के कार्यालय से निकली फाइल मुख्यमंत्री व बिजली मंत्री तक पहुंचने की जगह मुख्य सचिव और बिजली सचिव के कार्यालय में घूम रही है।

**'आखिर क्या छुपाने का किया जा रहा प्रयास'**

आतिशी ने सवाल किया कि ऐसा कर आखिर क्या छुपाने का प्रयास किया जा रहा है। 10 मार्च को मीडिया के माध्यम से उपराज्यपाल के यहां से लोगों को मिलने वाली 200 यूनिट फ्री बिजली से जुड़ी फाइल भेजने के बारे में मालूम हुआ था। यह फाइल कैबिनेट के सामने प्रस्तुत होनी थी।

इस कारण यह फाइल दिल्ली के कैबिनेट व बिजली मंत्री के पास जानी थी, लेकिन उपराज्यपाल ने इस फाइल को न तो मुख्यमंत्री को भेजा और न ही बिजली मंत्री के पास भेजा गया। वहीं मुख्य सचिव व ऊर्जा सचिव यह फाइल उनके पास अभी तक नहीं भेजने के बारे में नहीं पता रहे है।

हालांकि बड़ी मुश्किल से किसी अधिकारी ने उन तक 200 यूनिट बिजली सब्सिडी से जुडी फाइल की फोटो कॉपी भेजी है। उनकी बात सुनने व सदन की मांग के तहत विधानसभा अध्यक्ष ने यह मामला सार्वजनिक सुविधाओं की स्थायी समिति के पास जांच के लिए भेज दिया।

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को अदालत में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका की खिलाफत करते हुए लंबा उत्तर फाइल किया। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख तय की है। अदालत यहां प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सिसोदिया के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले पर सुनवाई कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को अदालत में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका की खिलाफत करते हुए लंबा उत्तर फाइल किया। यही वजह है कि स्पेशल जज एमके नागपाल ने मामले की सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख तय करते हुए ईडी के उत्तर की एक कॉपी सिसोदिया के वकील को देने के लिए भी कहा।

## ब्रीफ न्यूज

### हरियाणा से आ रहे अमोनिया को साफ करेगी दिल्ली सरकार, वजीराबाद पर लगाया जाएगा शोधक संयंत्र

**नई दिल्ली।** हरियाणा के ड्रेन नंबर दो व ड्रेन आठ का पानी यमुना में आ रहा है जो बहुत गंदा है। पानी में भारी मात्रा में अमोनिया की मौजूदगी है जिससे जल शोधक संयंत्र को चलाने में दिक्कत आ रही है। दिल्ली सरकार हरियाणा से आ रहे यमुना के पानी में भारी मात्रा में मौजूद अमोनिया व अन्य प्रदूषक तत्वों को साफ करेगी। इसके लिए वजीराबाद जल शोधक संयंत्र के पास बने तालाब पर एक अमोनिया शोधक संयंत्र लगाया जाएगा। इसमें यमुना का पानी ले जाकर साफ करने के बाद उसे जल शोधक संयंत्र तक ले जाया जाएगा। इसके बाद घरों में आपूर्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड को अगले छह माह में अमोनिया शोधक संयंत्र लगाकर इस समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर केजरीवाल ने जल मंत्री सौरभ भारद्वाज, मुख्य सचिव, जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ दिल्लीवालों को साफ पेयजल उपलब्ध कराने, पानी का उत्पादन बढ़ाने व बर्बादी रोकने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने हरियाणा से यमुना में आ रहे पानी में अमोनिया की मात्रा अधिक होने को लेकर विशेष तौर पर चर्चा की। पानी में अमोनिया की अधिकता के कारण जल शोधक संयंत्र को उसे साफ करने में भारी दिक्कत आ रही है। इससे पानी के उत्पादन पर भी असर पड़ रहा है। इस दौरान बोर्ड के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमोनिया की समस्या से निपटने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके तहत अमोनिया को जल शोधक संयंत्र में साफ कर कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

# स्पा सेंटर का गंदा खेल: एक हजार में तय हुआ सौदा, नौ लड़कियां बुलाई गईं, फिर संबंध बनाने को इतने रुपये

पुलिस ने सूचना के आधार पर नकली ग्राहक स्पा सेंटर में भेजा। हकीकत सामने आने पर पुलिस ने स्पा सेंटर के मालिक के अलावा वहां काम करने वाले दो युवकों को पकड़ा है।

**नई दिल्ली।** दिल्ली के प्रीत विहार में स्पा और मसाज सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाए जाने का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने छापा मारकर स्पा सेंटर के कर्मचारी राम सागर (24) और दीपक (20) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने स्पा सेंटर के मालिक प्रवीन उर्फ टीटू चौधरी को भी पकड़ लिया। पुलिस को नौ लड़कियां भी मिलीं, जिन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। फिलहाल, मैनेजर अजय सिंह फरार है। पुलिस मामला दर्ज कर टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अमरुथा गुगुलोथ ने बताया कि शुक्रवार को मॉल की दूसरी मंजिल स्थित टू-बिल्स स्पा और मसाज सेंटर में सेक्स रैकेट चलाए जाने की सूचना मिली थी। एक टीम का गठन करने के बाद वहां नकली ग्राहक भेजा गया। बातचीत के बाद एक हजार रुपये में सौदा तय हुआ।

इसके बाद नकली ग्राहक को नौ लड़कियां दिखाने के बाद सेक्स के बदले दो हजार रुपये अतिरिक्त मांगे गए। नकली ग्राहक के इशारे पर पुलिस ने राम सागर और दीपक को पकड़ लिया। यहां दो साल से मसाज सेंटर चल रहा था। इससे पूर्व भी पिछले साल इस मसाज व स्पा सेंटर पर इसी तरह के आरोप लगे थे, तब भी मामला दर्ज किया गया था।

# दिल्ली-NCR में रात की बारिश के बाद सुबह खिली धूप, जानें कैसा रहेगा 30 मार्च के बाद तापमान

दिल्ली में शुक्रवार को दिन ढले शुरू हुआ बारिश का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। जानकारी के अनुसार शाम साढ़े पांच बजे तक 000.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि आयानगर में सबसे अधिक 001.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश से मौसम ठंडा हो गया। देर रात तक रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा। वहीं शुक्रवार दिन और रात में बारिश के बाद शनिवार सुबह धूप खिलने से मौसम काफी अच्छा हो गया है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत के मौसम में हुए बदलाव से अभी एक सप्ताह तक मौसम सुहावना ही बना रहेगा। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने के कारण बारिश की संभावना नहीं है और तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिलेगी। पूरे सप्ताह आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 मार्च के बाद से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

उत्तर भारत में दो-दो पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण बीते सोमवार रात को दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश के साथ ओले भी पड़े थे। इस कारण तापमान में गिरावट हुई थी। 24 मार्च के लिए भी मौसम विभाग ने बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इसी के अनुसार शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और 10 बजे के बाद हल्की से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया।

इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलती रही। रुक-रुक के अलग-अलग इलाकों में बारिश होती रही। मौसम का यह मिजाज शाम तक बना रहा। इस कारण शुक्रवार को औसत अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 30.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शाम साढ़े पांच बजे तक 000.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि आयानगर में सबसे अधिक 001.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

इधर गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 28.4 और न्यूनतम तापमान 16.5 दर्ज हुआ। जबकि यहां 002.0 बारिश दर्ज की गई। वहीं फरीदाबाद में सबसे अधिक बारिश 002.5 मिमी दर्ज हुई। यहां

## आरोपी शूटर की पहचान गौरव राणा उर्फ मिनी(32), रोहित उर्फ जैकी (30) और अंकित चौधरी उर्फ टिंकू उर्फ राधे (32) को गिरफ्तार किया

# हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर की हत्या की रची थी साजिश, संदीप बडवासनिया गिरोह के तीन शूटर गिरफ्तार

हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर की हत्या की साजिश रच रहे तीन शूटर्स को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी संदीप बडवासनिया गिरोह के सदस्य हैं। इंस्पेक्टर के अलावा विरोधी गिरोह के सदस्यों की भी हत्या की साजिश थी।

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हरियाणा पुलिस के एक इंस्पेक्टर की हत्या की साजिश रच रहे तीन शूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी हरियाणा के सोनीपत के संदीप बडवासनिया गिरोह के सदस्य हैं। इनके कब्जे से दो सिंगल सूट पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए गए हैं।

आरोपी शूटर की पहचान मुंगेशपुर गांव निवासी गौरव राणा उर्फ मिनी(32), कुतुबगढ़ निवासी रोहित उर्फ जैकी (30) और मुंगेशपुर गांव निवासी अंकित चौधरी उर्फ टिंकू उर्फ राधे (32) को गिरफ्तार कर लिया।

स्पेशल सेल पुलिस अधिकारियों के अनुसार इंस्पेक्टर अनुज कुमार त्यागी को सूचना मिली थी कि गांव मुंगेशपुर निवासी गौरव राणा उर्फ मिनी संदीप बडवासनिया गिरोह का शार्प शूटर है। वह पुरानी रंजिश के चलते अपने गांव के ही घोषित बदमाश मुकेश राणा की हत्या के लिए अवैध हथियार लेने के लिए पैसे की व्यवस्था कर रहा है।

इस बीच हवलदार दीपक को 22 मार्च को सूचना मिली थी कि गौरव राणा अपने साथियों के साथ द्वारका मोड, द्वारका में छिपा हुआ है। सूचना के बाद एसीपी संजय दत्त की देखरेख में इंस्पेक्टर अनुज कुमार त्यागी, एसआई देव कुमार, एसआई राजेश कुमार, एसआई सुनील कुमार व महिला एसआई प्रीति की टीम गठित की गई।

एसआई देव कुमार की टीम ने घेराबंदी कर तीनों शूटर गौरव राणा उर्फ मिनी, रोहित उर्फ जैकी और अंकित चौधरी उर्फ टिंकू उर्फ राधे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त इंगित प्रताप सिंह ने बताया कि संदीप बड़वासनी गिरोह और रामकरण गिरोह की रंजिश में कई लोगों की जान जा चुकी है।

रामकरण गिरोह के एक सदस्य सत्यवान मलिक(जो काफी पहले मारा जा चुका है)का भतीजा हरियाणा पुलिस में इंस्पेक्टर है। ऐसे में आरोपियों को लगता था कि गिरोह सरगना संदीप बड़वासनी की हत्या में इंस्पेक्टर का हाथ है।

**बदला लेने के लिए बना था गैंग**

सोनीपत निवासी संदीप बडवासनी ने शराब तस्करों से बदला लेने के लिए वर्ष 2014-15 में गिरोह बनाया था। बाद में संदीप की हत्या हो गई। संदीप की हत्या का आरोप विरोधी गिरोह सोनीपत निवासी रामकरण व उसके गिरोह के सदस्यों और रोहतक निवासी सत्यवान मलिक पर लगा। इसके बदले के लिए रोहतक में सत्यवान मलिक की हत्या कर दी थी। संदीप गिरोह को फिलहाल अजय, रूपिंदर उर्फ नंहा और गौरव राणा चला रहा हैं।

ये सत्यवान मलिक के परिवार के अन्य सदस्यों की हत्या करना चाहते थे। सितंबर, 2020 मे हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर व सत्यवान मलिक के भतीजे पर भी जानलेवा हमला किया था। गिरफ्तार किए गए शूटर गौरव के खिलाफ दिल्ली व हरियाणा में हत्या, हत्या का प्रयास व कार जैकिंग आदि के सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं रोहित के खिलाफ तीन व अंकित चौधरी के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

# रैपिड रेल: ट्रेन के शुरू होने से पहले ही पटरी में लगने वाली 1100 प्लेट चोरी, चोरों का नहीं लगा सुराग

रैपिड रेल अभी चलनी भी शुरू नहीं हुई है और निर्माण के दौरान ही ट्रैक पर लगने वाले प्लेट्स इतनी बड़ी मात्रा में चोरी हो गए हैं जिनकी कीमत लाखों में है।

**गाजियाबाद।** एनसीआरटीसी प्रॉजेक्ट में साहिबाबाद स्टेशन से वैशाली के बीच चल रही कंपनी की निर्माण साइट से चोरों ने पटरी में प्रयोग होने वाली 1100 प्लेटें चोरी कर ली हैं। लिंक रोड थाने में अपूर्वा कृति इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के एचआर एडमिन हेड सुनील सोलंकी ने मुकदमा दर्ज कराया है। जांच में सामने आया कि चोरों ने दो बार निर्माण साइट में सेंधमारी की लेकिन सुरक्षा गार्डों को इसका पता नहीं चला।

सुनील सोलंकी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एनसीआरटीसी परियोजना का कार्य इन दिनों आनंद बिहार से दुहाई स्टेशन तक चल रहा है, जिसमें उनकी कंपनी ट्रैक बनाने का कार्य साहिबाबाद से वैशाली तक कर रही है। इसका ठेका उन्हें एलएंडटी कंपनी से मिला है। एलएंडटी कंपनी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर चंद्रशेखर वर्मा के साथ उन्होंने दो मार्च को साइट पर निरीक्षण किया था।

इस बीच संयुक्त सर्वे में उन्हें ट्रैक पर प्रयोग होने वाली 687 प्लेट मिलीं। इसके बाद सात मार्च को दोनों ने साइट पर दोबारा निरीक्षण किया। इस बार साइट पर चोरों ने 414 प्लेट चोरी कर ली थीं। उन्होंने अपने स्तर से जांच कराई लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा।

## जानलेवा लापरवाही: ग्लूकोज की बोतलों में मिली फफूंदी, 200 हुईं वापस, ड्रिप चढ़ती तो खून में चला जाता फंगस

**गाजियाबाद।** जिस खेप की बोतलों में फफूंदी मिली है उसकी मरीजों के लिए अभी सप्लाई नहीं हुई थी। चेक करने के बाद फफूंदी मिलते ही इस बैच की सभी बोतलें वापस कर दी गई है। गाजियाबाद के संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में कॉरपोरेशन से सप्लाई की गई ग्लूकोज की बोतलों में फफूंदी (फंगस) पाई गई है। मरीजों के लिए इमरजेंसी में भेजने से पहले ही फफूंदी का पता चला गया, जिसके बाद सप्लाई की गई 200 बोतलों को शुक्रवार को अस्पताल प्रबंधन ने वापस कर दिया है। संयुक्त अस्पताल में 15 दिन पहले मरीजों के लिए ग्लूकोज की बोतलों की सप्लाई हुई थी, जिसकी पेटियों को स्टोर में रखा गया था। शुक्रवार को जब इमरजेंसी और वार्ड में भेजने के लिए ग्लूकोज की एक पेटी खोली गई तो उसमें फफूंदी मिली। इसके बाद चेक करने के लिए सभी पेटियों को खोला गया जिसमें अधिकतर बोतलों में फफूंदी थी। मिला। इसकी सूचना सीएमएस और ड्रग वेयर हाउस को दी गई जिसके बाद सीएमएस ने सभी बोतलों को ड्रग वेयर हाउस भेजा। सीएमएस डॉ. विनोद चंद पांडे ने कहा कि फफूंदी वाली बोतलों को वापस दिया गया है। इसके जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। मरीजों के लिए अभी सप्लाई नहीं हुई थी। चेक करने के बाद फफूंदी मिलते ही इस बैच की सभी बोतलें वापस कर दी गई है। जिस कंपनी ने सप्लाई की है उसको खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा जाएगा।

**ड्रिप चढ़ती तो खून में चला जाता फफूंदी :** रिंगर्स लैक्टेट (आरएल) फ्लूड में फफूंदी मिली है। यह ग्लूकोज उल्टी-दस्त और डिहाहाइड्रेशन वाले मरीजों को दिया जाता है। फिजिशयन डॉ. अंशुल वार्ष्णेय ने बताया कि शरीर में फ्लूइड बैलेंस बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। अगर फफूंदी लगे ड्रिप का इस्तेमाल मरीज पर हो जाता तो बैक्टिरिया सीधे खून में चला जाता। फेंफड़ों में फंगल चला जाता तो या दिमाग में फफूंदी चला जाता तो गंभीर समस्या हो सकती थी। पुरानी या पैकिंग के दौरान हुई गड़बड़ी से फफूंदी लग सकता है।

## इनसाइड

### नौ साल के बच्चे को पिटबुल ने किया जख्मी

**साहिबाबाद।** डीएलएफ के ए-ब्लॉक में शुक्रवार दोपहर घर के बाहर खेल रहे नौ साल के निरीक्ष को पड़ोसी के पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने हाथ, पैर, कमर पर काट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। छात्र लहूलुहान हालत में किसी तरह कुत्ते के चंगुल से छूटा और रोता हुआ घर में घुस गया। छात्र के पिता ने पड़ोसी से विरोध जताया तो उनसे अभद्रता की। सूचना पर पहुंची शालीमार गार्डन थाने की पुलिस ने घायल छात्र को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। मामले में छात्र के पिता अजय गर्ग ने पड़ोसी पर साहिबाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। डीएलएफ कॉलोनी में पतंजलि स्टोर चलाने वाले अजय गर्ग का नौ साल का बेटा निरीक्ष दिल्ली के स्कूल में चौथी कक्षा का छात्र है। शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे वह पड़ोस के बच्चे के साथ घर के बाहर खेल रहा था। आरोप है कि पड़ोसी का कुत्ता पिटबुल भी घर के बाहर खुला घूम रहा था। जैसे ही बच्चों ने खेलते हुए घर से आगे कदम बढ़ाया तो पिटबुल ने निरीक्ष पर हमला कर दिया। छात्र के पेट, हाथ व पैर पर पिटबुल के दांत लगने से खून निकलने लगा। किसी तरह पिटबुल से छूटकर बच्चा रोते हुए घर में घुस गया। छात्र के चाचा विजय गर्ग का आरोप है कि घटना की शिकायत परिवार के लोगों ने पड़ोसी से की तो उनके साथ अभद्रता की। इतना ही नहीं, पड़ोसी ने पिटबुल को बिना सुरक्षा मानकों के खुले में छोड़ रखा था।

## डीएलएफ में घर के बाहर खेल रहे बच्चे पर पिटबुल ने किया हमला, कमर-हाथ और पैर पर काटा

गाजियाबाद के साहिबाबाद में डीएलएफ में घर के बाहर खेल रहे नौ साल के बच्चे पर पिटबुल ने हमला कर दिया। बच्चा बुरी तरह से जख्मी हो गया। शिकायत के बाद विवाद मालिक ने विवाद किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मालिक को गिरफ्तार कर लिया।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद के डीएलएफ के ए-ब्लॉक में शुक्रवार दोपहर घर के बाहर खेल रहे नौ साल के निरीक्ष को पड़ोसी के पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने हाथ, पैर, कमर पर काट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया।

छात्र लहूलुहान हालत में किसी तरह कुत्ते के चंगुल से छूटा और रोता हुआ घर में घुस गया। छात्र के पिता ने पड़ोसी से विरोध जताया तो उनसे अभद्रता की। सूचना पर पहुंची शालीमार गार्डन थाने की पुलिस ने घायल छात्र को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।

मामले में छात्र के पिता अजय गर्ग ने पड़ोसी पर साहिबाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। डीएलएफ कॉलोनी में पतंजलि स्टोर चलाने वाले अजय गर्ग का नौ साल का बेटा निरीक्ष दिल्ली के स्कूल में चौथी कक्षा का छात्र है।

शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे वह पड़ोस के बच्चे के साथ घर के बाहर खेल रहा था। आरोप है कि पड़ोसी का कुत्ता पिटबुल भी घर के बाहर खुला घूम रहा था। जैसे ही बच्चों ने खेलते हुए घर से आगे कदम बढ़ाया तो पिटबुल ने निरीक्ष पर हमला कर दिया।

छात्र के पेट, हाथ व पैर पर पिटबुल के दांत लगने से खून निकलने लगा। किसी तरह पिटबुल से छूटकर बच्चा रोते हुए घर में घुस गया। छात्र के चाचा विजय गर्ग का आरोप है कि घटना की शिकायत परिवार के लोगों ने पड़ोसी से की तो उनके साथ अभद्रता की।

इतना ही नहीं, पड़ोसी ने पिटबुल को बिना सुरक्षा मानकों के खुले में छोड़ रखा था। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची। वहां पता चला कि कुत्ते के काटने के विवाद पर पड़ोसी और छात्र के परिजनों के बीच मारपीट हुई। इस बीच तीसरे पक्ष ने भी मामले में हस्तक्षेप किया।

उनकी पहचान कर थाने ले आए। वहां मारपीट के मामले में तीनों पक्षों ने समझौता कर लिया, जबकि छात्र के पिता अजय गर्ग ने साहिबाबाद पुलिस को कुत्ते के मालिक मोरिस टोनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा का कहना है कि कुत्ते के मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

### तीन नस्ल के कुत्तों को पालने पर बना प्रतिबंध का बायलॉज, शासन से अनुमति का इंतजार

शहर में लगातार बढ़ रहे कुत्तों के काटने के मामलों में कमी लाने के लिए नगर निगम ने पिछले महीने तीन नस्ल के कुत्तों को पालने पर प्रतिबंध के लिए बायलॉज तैयार किया था, जिनमें पिटबुल, रॉटविलर व डोगो अर्जेंटीनो शामिल है। हालांकि इस पर अनुमति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनुज सिंह ने लोगों ने इस पर आपत्ति भी मांगी थी।

### कुत्ते को पालने के यह है नियम

खूंखार कुत्तों को अच्छे से प्रशिक्षण के बाद पाला जा सकता है

नगर निगम में पंजीकरण अनिवार्य है

नियमित समय अंतराल पर टीकाकरण जरूरी

आबादी के बीच कुत्तों को घूमने टहलने पर पाबंदी

कुत्ता घुमाते समय मुंह पर मजल (जाली) लगाना जरूरी

रस्सी से बांधकर कुत्तों को मजबूती से पकड़ना

बिना रस्सी से बांधे कुत्तों को घुमाने-टहलाने पर पाबंदी

### कुत्तों के काटने के मामले

05 नवंबर को भारत सिटी में सुरक्षा कर्मी को कुत्ते ने काटा

01 नवंबर को शिप्रा सनसिटी फेस 2 में एक युवक को कुत्ते ने काटा

19 अक्तूबर को मोहन नगर के पार्स्वनाथ सोसायटी में पागल कुत्ते ने 7 लोगों को काटा

7 अक्तूबर को आम्रपाली सोसायटी में कुत्ते ने एक बच्चे को काटा

10 सितंबर को शिप्रा रिवेरा सोसायटी में कुत्ते ने महिला को काटा

### कुत्ते ने हमला कर दिया तो क्या करें

1. अगर छिपने की जगह नहीं है तो भागे नहीं क्योंकि इंसान कुत्तों से तेज नहीं भाग सकते

2. अगर हाथ में कुछ सामान है तो उसे कुत्ते को दे दें, तब कुत्ता उस पर झपटेगा

3. दिमाग ठंडा रखें, चिल्लाएं नहीं, यदि आप लंबे हैं तो सीधे खड़े रहे

4. अगर आप गिर गए हैं तो खुद को गोल बॉल की तरह बनकर पेट और गर्दन को बचा लें

5. यदि आपने जैकेट पहनी है तो उसे तुरंत उतारकर हाथ पर बांध लें और उसे एक ढाल की तरह उपयोग करें

### यदि कुत्ते ने काट लिया है तो क्या करें :

कुत्ते के काटने के बाद खून निकल रहा है तो कपड़े-तौलियो से दबाकर बंद कर लें

घाव को एंटीसेप्टिक घोल से साफ करें, कुछ नहीं है तो साबुन का प्रयोग करें

तुरंत सबसे नजदीक के अस्पताल जाएं और वहां चिकित्सक को दिखाकर टीका लगवाएं।

नगर निगम अधिकारी का वर्जन : कुत्ता पालने के लिए नगर निगम ने गाइड लाइन जारी की है। डीएलएफ में बच्चे को पिटबुल से काटने का मामला संज्ञान में है। इस मामले में गाइडलाइन के अनुसार कार्रवाई की जाएगी

***– डॉ अनुज कुमार, नगर निगम पशु चिकित्सक अधिकारी***

## फॉरच्यून सोसायटी में एक महीने बाद फिर चली गोली, दो बच्चों समेत तीन को लगी

**गाजियाबाद।** राजनगर एक्सटेंशन की फॉरच्यून सोसायटी में बृहस्पतिवार रात एक महीने बाद फिर से गोली चल गई। इस बार दो बच्चों समेत तीन को गोली लगी है। एक बच्ची के हाथ की हड्डी में छर्रा फंसा हुआ है अन्य दो को छूकर गोली निकल गई। घटना के बाद सोसायटी में दहशत का माहौल है। बच्ची के पिता ने नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सोसायटी निवासी संतोष झा पंजाब नेशनल बैंक की मोदीनगर शाखा प्रबंधक हैं। बृहस्पतिवार रात उनकी 15 वर्षीय बेटी सृष्टि हौज खास दिल्ली से आई बुआ की बेटी प्रीति कुमारी के साथ डी-ब्लॉक के पीछे खेल रही थी। रात करीब साढ़े दस बजे अचानक गोली चली और प्रीति कुमारी के हाथ में लग गई। तीन राउंड फायरिंग में सृष्टि और एक युवक के हाथ को छूते हुए गोली निकल गई। फायरिंग की आवाज के बाद सोसायटी के लोग मौके पर पहुंच गए। तीनों को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया। सृष्टि और युवक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्रीति कुमारी को नया बस अड्डा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका उपचार चल रहा है। मौके पर पहुंची नंदग्राम थाने की पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। आसपास तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

**महीने भर पहले भी इसी तारीख को चली थी गोली**

फॉरच्यून सोसायटी के एओए अध्यक्ष कपिल त्यागी ने बताया कि एक महीने पहले भी ठीक साढ़े दस बजे गोली चली थी। गोली बालकनी में खड़ी महिला को लगी थी। सोयायटी में एक महीने में दो बार गोली चलने की घटना से सोसायटी में डर का माहौल है। अध्यक्ष का कहना है कि दो बार हमले के बाद भी हमलावरों को पुलिस ढूंढ नहीं सकी है। एसीपी नंदग्राम आलोक दुबे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। एयर गन का इस्तेमाल किया गया है। जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## गंगनहर बंद, प्लांट से गंगाजल आपूर्ति ठप

**साहिबाबाद।** हरिद्वार से गंगनहर बंद होने से सिद्धार्थ विहार प्लांट को पानी मिलना बंद हो गया। शुक्रवार को टीएचए के कई इलाकों में गंगाजल नहीं मिलने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गंग नहर को बारिश होने के कारण सिल्ट जमा होने और किसानों की जरूरत के हिसाब से आपूर्ति बंद करना बताया गया है। वहीं नगर निगम और जीडीए प्लांट से गंगाजल नहीं मिलने तक अपने संसाधनों से दस लाख लोगों को पानी मुहैया कराएगा। अभी तीन दिनों तक गंगाजल मिलने की उम्मीद नहीं है। सिद्धार्थ विहार गंगाजल प्लांट के अधिशासी अभियंता उन्मेश शुक्ला ने बताया कि पिछले सप्ताह बारिश होने से गंगनहर के पानी में गाद आने की संभावना है। इस कारण सोमवार शाम को हरिद्वार से गंगनहर को बंद कर दिया गया। अभी तक सिद्धार्थ विहार के दोनों प्लांट में भंडारित गंगाजल को आगे भेजा जा रहा था। शुक्रवार सुबह को 100 क्यूसेक प्लांट और शाम को 50 क्यूसेक प्लांट को गंगाजल नहीं होने के कारण बंद कर दिया। इससे नोएडा और टीएचए में लोगों को गंगाजल नहीं मिला। सिंचाई विभाग के अधिकारियों की ओर से गंग नहर बंद रहने की जानकारी दी गई है। गंगनहर में पानी छोड़े जाने के बाद प्लांट में पानी भंडारित किया जाएगा। सोमवार रात या मंगलवार से गंगाजल सुचारु होने की उम्मीद है। नगर निगम के सहायक अभियंता ओमप्रकाश ने बताया कि प्लांट से शुक्रवार को गंगाजल कम मात्रा में ही मिला। निगम की ओर से गंगाजल में पानी मिलाकर आपूर्ति कराई गई। फिर भी वैशाली, वसुंधरा, कौशांबी, डेल्टा कॉलोनी के कुछ इलाकों में पेयजल नहीं मिल सका। वसुंधरा जोन में शनिवार को सुबह छह से आठ बजे तक पेयजल की आपूर्ति कराई जाएगी। प्लांट से गंगाजल नहीं मिलने तक 108 ट्यूबवेल से पानी भेजा जाएगा। जहां पर पानी नहीं मिलेगा, वहां पर टैंकर से पानी की आपूर्ति कराई जाएगी। वहीं जीडीए अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम ने बताया कि 22 ट्यूबवेल से पेयजल आपूर्ति होगी। लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

**प्लांट से गंगाजल का वितरण**

100 क्यूसेक प्लांट
80 क्यूसेक- नोएडा
15 क्यूसेक- इंदिरापुरम 05 क्यूसेक- सिद्धार्थ विहार
50 क्यूसेक प्लांट
23 क्यूसेक- वसुंधरा जोन
20 क्यूसेक- नोएडा
07 क्यूसेक- इंदिरापुरम

बोतलबंद पानी की बढ़ेगी मांग टीएचए की हाईराइज सोसायटी में अधिकांश लोग कामकाजी ही रहते हैं। गंगाजल नहीं मिलने पर बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ जाती है। वैशाली निवासी पवन ने बताया कि नामी ब्रांड की 20 लीटर पानी बोतल की कीमत 100 रुपये और सामान्य ब्रांड की 35-40 रुपये तक है। इससे लोगों की जेब पर भी असर पड़ता है।

# जंगलों को आग से कैसे बचाएं

हमारे प्रदेश में कई जगह बंजर भूमि है। यहां पर भी पेड़-पौधे लगाए जा सकते हैं और इससे प्रदेश का हरित क्षेत्र और अधिक बढ़ जाएगा। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। वन हमारे लिए इतने महत्त्वपूर्ण हैं कि जीवन का अभिन्न अंग होने के साथ-साथ विकास में भी बहुत बहुमूल्य योगदान देते हैं क्योंकि जब हम कोई भी विकास कार्य आरंभ करते हैं तो पहाड़ी राज्य होने के कारण भूस्खलन की संभावना बढ़ जाती है। इस भूस्खलन को रोकने का काम केवल जंगल ही करते हैं'

हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है। यहां पर बहुत से जंगल हैं जो इस प्रदेश की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे हैं। हिमाचल प्रदेश के जंगलों में बहुत बहुमूल्य संपत्ति है जिनमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियां और देवदार, शीशम आदि के विशाल पेड़ हैं। लेकिन अफसोस हर साल गर्मियां शुरू होते ही इन जंगलों में आग लग जाती है जिससे हर वर्ष लाखों रुपए की वन संपदा नष्ट हो जाती है। गर्मियां आरंभ होने से पहले ही कुछ ऐसे इंतजाम किए जाएं कि इन जंगलों को आग से बचाया जा सके। आग से केवल पेड़ पौधे ही नष्ट नहीं होते। इससे कई प्रकार के जीव जंतु जलकर राख हो जाते हैं। इन जंगलों में बहुत सुंदर पशु पक्षी रहते हैं और आग से उनके अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगता है। यहां पर ऐसी जड़ी बूटियां हैं जो दवाइयां बनाने के काम आती हैं लेकिन आग लगने से यह जड़ी बूटियां भी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। हम लोग तब सचेत होते हैं जब इन जंगलों में आग लग जाती है और इसे बुझाने के लिए आगे आते हैं, लेकिन तब तक बहुत अधिक नुकसान हो चुका होता है। तो क्यों नहीं जंगलों में आग लगने से पहले ही ऐसे इंतजाम किए जाएं कि इन सुंदर जंगलों में आग लगे ही नहीं। इसके लिए वन विभाग को स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनसे सुझाव लिए जाएं कि आग को लगने से पहले ही रोका जा सके।

इसके लिए जब लोगों के साथ जंगलों को बचाने के लिए वार्ता शुरू की जाएगी तो लोग जागरूक होंगे और जंगलों को आग से बचाने के लिए वन विभाग और प्रशासन का सहयोग करेंगे। क्योंकि स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना जंगलों को आग लगने से बचाना बहुत मुश्किल काम होगा। जब आग लग जाती है तो वन विभाग के पास इतनी संख्या में स्टाफ नहीं होता कि वह आग पर काबू पा सके। हमारे प्रदेश में बहुत बड़ी संख्या में चीड़ के जंगल हैं। इनकी सूखी पत्तियां जब नीचे जमीन पर गिरती हैं तो वहां की सारी जमीन इनसे ढक जाती है और भीषण गर्मी पडने पर उनमें अपने आप ही आग लग जाती है और कई बार मानवीय भूल से भी इन जंगलों में आग लग जाती है। अभी कुछ दिनों में ही गर्मी का मौसम शुरू होने वाला है तो इसके लिए अभी से तैयारियां आरंभ कर दी जाएं तो इन जंगलों को आग लगने से बचाया जा सकता है। इसके लिए वन विभाग लोगों के साथ मिलकर चीड़ की पत्तियों को जंगलों से हटा दिया जाए। इसी प्रकार दूसरे पेड़ पौधों के नीचे की पत्तियों को भी हटा दिया जाए। जंगल हमारे जीवन का अंग हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारे प्रदेश में प्रचुर मात्रा में सुंदर वन हैं। वन हमारी धरोहर और जीवन रेखा हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

अतः इनको बचाना हमारा प्रथम कर्तव्य बनता है। जंगल हमें केवल स्वच्छ हवा ही नहीं देते बल्कि हमारे पूरे जीवन में काम आते हैं। जंगलों से हमें पेड़ पौधों से घास, जलाने की लकड़ी और इमारती लकड़ी मिलती है। इससे कई लोगों को रोजगार भी मिलता। हमारे प्रदेश में कई जगह बंजर भूमि है। यहां पर भी पेड़ पौधे लगाए जा सकते हैं और इससे प्रदेश का हरित क्षेत्र और अधिक बढ़ जाएगा। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। वन हमारे लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि जीवन का अभिन्न अंग होने के साथ साथ विकास में भी बहुत बहुमूल्य योगदान देते हैं क्योंकि जब हम कोई भी विकास कार्य आरंभ करते हैं तो पहाड़ी राज्य होने के कारण भूस्खलन की संभावना बढ़ जाती है। इस भूस्खलन को रोकने का काम केवल जंगल ही करते हैं। अब तो पूरा विश्व पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। पर्यावरण की सुरक्षा में जंगलों का अहम योगदान है। आज जब पूरे विश्व की आबोहवा प्रदूषित हो रही है और वायु प्रदूषण से देश और विदेश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक काफी अधिक खतरनाक हो जाता है जिससे लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत आने लगती है और फेफड़ों व सांस संबंधी कई प्रकार की बीमारियां पैदा होने लगती हैं, लेकिन आज के युग में हम विकास कार्य और भौतिकवादी जीवन में इतने अंधे हो गए हैं कि वनों के महत्व को ही भूलने लगे हैं। यदि इसी प्रकार हम जंगलों की अनदेखी करते रहे तो आने वाला समय हमारे लिए बहुत हानिकारक होगा। सरकारें अपने स्तर पर जंगलों को बचाने का प्रयास कर रही हैं लेकिन जनभागीदारी के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार का मतलब केवल हमारे द्वारा चुने गए प्रतिनिधि ही नहीं हैं। प्रजातंत्र में सब लोग सरकार का ही हिस्सा हैं। हम सबको अपने स्तर पर भी पेड़ पौधे लगाने चाहिए। इसके लिए हम वन विभाग की नर्सरियों से बहुत कम कीमत पर पेड़ पौधे प्राप्त कर सकते हैं। वन विभाग को यह भी देखना होगा कि जितने पेड़ पौधे विभाग द्वारा लगाए गए उनमें से कितने जीवित रहे। वन विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे जीवित रहें, तभी हमारी हरित क्रांति का सपना साकार होगा। नए पेड़ पौधे लगाने के साथ साथ पुराने जंगलों को बचाना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए वन माफियाओं पर भी पूरी नजर रखनी होगी ताकि जंगलों के अवैध कटान को रोका जा सके। जंगलों को आग से बचाने के लिए गर्मियां आरंभ होने से पहले ही इसे एक अभियान के तौर पर लेना होगा। यदि हम एक बार इसमें सफल हो गए तो आने वाले समय में यह बात हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाएगी और हमारे जंगल आग लगने से बचे रहेंगे। बस बात है दृढ़ संकल्प की। किसी भी अभियान को चलाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है। जंगलों में आग लगने की घटनाओं के बारे में समय समय पर मीडिया द्वारा भी जानकारी दी जाती है और लोगों को भी जंगलों के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। आशा है कि आने वाले समय में भी मीडिया अपना कत्तव्य निभाता रहेगा।

***नरेंद्र कुमार शर्मा***

इनसाइड

## सीनएजी पावरट्रेन के साथ आने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी कितनी दमदार, चेक करें सभी डिटेल

Maruti Suzuki Brezza CNG भारतीय बाजार में काफी दमदार फीचर्स के साथ आई है। इसमें आपको काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। कंपनी ने इसमें कोई कॉस्मेटिक बदलाव नहीं है आज हम आपके लिए इस कार की डिटेल्स लेकर आए हैं।

**नई दिल्ली।** लंबे इंतजार के बाद मार्केट में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने भारत में Maruti Suzuki Brezza CNG को लॉन्च कर दिया है। सीनएजी पावरट्रेन के साथ आने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी है। ब्रेजा मारुति की कामयाब गाड़ियों में रही है। Maruti के पास वर्तमान में CNG का सबसे बड़ा लाइनअप है और Brezza CNG इस लिस्ट में शामिल होने वाली नई ब्रांड है। चलिए आपको इस कार से जुड़ी खास डिटेल्स के बारे में बताते हैं।

आपको बता दें, मारुति सुजुकी ने ब्रेजा सीएनजी में कोई कॉस्मेटिक बदलाव नहीं किया है। यह एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स, फ्लैट बोनट, स्क्वायर-ऑफ व्हील आर्च और एलईडी टेल लैंप के साथ आती है।

### Maruti Suzuki Brezza CNG फीचर्स

भारतीय बाजार में ये कार कई दमदार फीचर्स से लैस होगी। इसमें आपको एक इलेक्ट्रिक सनरूफ, क्रूज़ कंट्रोल, स्मार्टप्ले प्रो इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाओं के साथ आएगी, जिसमें वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐपल कारप्ले, मिश्र धातु के पहिये, कीलेस एंट्री, इंजन को शुरू / बंद करने के लिए पुश बटन और भी बहुत कुछ मिलता है।

### Maruti Suzuki Brezza CNG इंजन

Maruti Suzuki Brezza CNG 1.5-लीटर, चार-सिलेंडर स्वाभाविक रूप से एस्पिरेटेड इंजन द्वारा संचालित है जो 98 बीएचपी और 136 एनएम की पीक टॉर्क जनरेट करती है।
सीएनजी पर चलने पर पावर घटकर 85 बीएचपी और 121 एनएम हो जाती है। Brezza CNG केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश की जाएगी। ब्रेजा सीएनजी दावा करती है कि इसकी ईंधन दक्षता 25.51 किमी/किग्रा है।

### Maruti Suzuki Brezza CNG में हुए ये बदलाव

सीएनजी वाहन होने के नाते, कंपनी ने इस कार में कुछ बदलाव किए हैं। सीएनजी फ्यूल लिड को पेट्रोल फिलर स्पेस में इंटीग्रेट किया गया है। इस कार में बूट स्पेस को दिखाने के लिए सीएनजी सिलेंडर को ढका गया है।

# 2023 ह्यूंडई वरना की पहली झलक आई सामने, डीलरशिप पर पहुंचने लगीं गाड़ियां

इस महीने 21 तारीख को 2023 Hyundai Verna को लॉन्च किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसकी कुछ तस्वीरें लीक हुई हैं। इन तस्वीरों में गाड़ी का इंटीरियर और एक्सटीरियर नजर आ रहा है। आइए जानते हैं कंपनी इसमें क्या कुछ ऑफर कर सकती है...

**नई दिल्ली।** कोरियन कार निर्माता कंपनी Hyundai अपनी लोकप्रिय सेडान Verna के अपडेटेड वर्जन को 21 मार्च को लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर पर 2023 Hyundai Verna की कुछ तस्वीरें लीक हुई हैं, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर इसके टीजर भी मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी ने New Gen Verna को डीलरशिप पर भेजना भी शुरू कर दिया है। इसकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में कार का एक्सटीरियर और इंटीरियर नजर आ रहा है। क्या कुछ दिखा नई पीढ़ी की Hyundai Verna में, आइए जान लेते हैं...

**एक्सटीरियर और इंटीरियर**

कंपनी 2023 Hyundai Verna को पुरानी वरना के मुकाबले और अधिक स्पोर्टियर लुक के साथ पेश करने जा रही है। नई पीढ़ी की Verna में हॉरिजेंटल एलईडी पोशिजनिंग के साथ सम्पूर्ण आकार के एलईडी डीआरएल दिए गए हैं। इन बदलावों के साथ Hyundai की इस सेडान कार का लुक और फील पूरी तरह से बदल जाएगा।

इसके फ्रंट में मल्टी बैरल एलईडी लाइट के साथ पैरामैट्रिक ग्रिल डिजाइन को दिया गया है। वहीं इसके रियर में एजी (edgy) हेडलैंप के साथ एलईडी लाइट बार का इस्तेमाल किया गया है।

**डायमेंशन**

2023 Hyundai Verna अपने लंबे व्हीलबेस, अच्छी लंबाई और चौड़ाई की वजह से अच्छा रोड प्रेजेंस हासिल करेगी। नई वेर्ना की लंबाई 4,535 मिमी, चौड़ाई 1,765 मिमी और ऊंचाई 1,475 मिमी होगी। New Gen Verna में 528 लीटर का बूट स्पेस ऑफर किया गया है। ओवरऑल बात करें तो पुरानी वरना के मुकाबले नई पीढ़ी की Verna और आकर्षक हो गई है।

**फीचर्स**

2023 Hyundai Verna में वायरलेस ऐप्पल कारप्ले, एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम ऑफर किया जा सकता है। साथ ही इसमें वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, हॉरिजॉन्टल एसी वेंट्स, लेयर्ड डैशबोर्ड, हीटिंग के साथ पावर्ड फ्रंट सीट्स और वेंटिलेशन जैसे फीचर्स भी मिलने की उम्मीद है।

सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें ADAS के साथ EBD, ABS, ECS, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, हिल-स्टार्ट असिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स भी शामिल किए जा सकते हैं।

**इंजन**

कंपनी नई Verna में दो 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन देगी। एक नैचुरली एस्पिरेटेड होगा, वहीं दूसरा टर्बो यूनिट। शक्ति की बात करें तो नैचुरल एस्पिरेटड 115 एचपी वहीं टर्बो इंजन 160 एचपी की पॉवर वाला होगा। इन दोनों इंजन में 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है। नैचुरल एस्पिरेट इंजन में CVT और टर्बो-पेट्रोल का ऑप्शन मिलने की उम्मीद है।

# डब्ल्यूटीआई कैब्स इंडिया को 100 वाहनों की आपूर्ति करेगी एमजी मोटर्स इंडिया, सूची में शामिल हैं हेक्टर और जेडएस ईवी

WTi Cabs India इंडिया अपनी फ्लीट में हेक्टर और जेड एस ईवी सहित MG Motors India की कुल 100 कार शामिल करने जा रही है। दोनो ही कंपनियों की ओर से ये जानकारी दी गई है।

कैब सुविधा प्रदान करने वाली कंपनी डब्ल्यूटीआई कैब्स इंडिया MG Motors India से कुल 100 कार लेने जा रही है। इन 100 कारों की सूची में MG Motors India की Hector और ZS EV जैसी कार शामिल हैं। कंपनी ने जानकारी देते हुए कहा कि इन कार को रेंट-ए-कार डिवीजन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इससे संबंधित जानकारी देते हुए MG Motors India के सीनियर डायरेक्टर सेल्स राकेश ने कहा, "हमारी साझेदारी एमजी के वाहनों को भारत में एसयूवी और ईवी के प्रति उत्साही लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाएगी। हम एमजी हेक्टर और जेडएस ईवी को अपनी पसंद के वाहन के रूप में चुनने के लिए डब्ल्यूटीआईकैब्स के बहुत आभारी हैं।₹

MG Motors से 100 वाहनों को अपनी फ्लीट में शामिल करने की घोषणा करते हुए कंपनी के सीईओ अशोक वशिष्ठ ने कहा कि, "स्थायी गतिशीलता प्रदान करने के हमारे निरंतर प्रयास में हम अपने बेड़े में ईवी को जोड़ते रहेंगे। हमारा प्रयास हमारे कॉर्पोरेट ग्राहकों को टिकाऊ और मजबूत गतिशील समाधान प्रदान करना है।₹ साथ ही उन्होने कि हमारी कंपनी एमजी मोटर इंडिया से निरंतर बिक्री और सेवाओं के समर्थन के लिए तत्पर है।

MG की ZS EV और Hector दोनों ही भारतीय बाजार में पॉपुलर हैं। एक ओर Hector डीजल और पेट्रोल दोनों पॉवरट्रेन के साथ आती है वहीं MG ZS एक इलेक्ट्रिक एसयूवी है। कीमत की बात करें तो कंपनी ZS EV को 23.38 लाख रुपए की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचती है।वहीं MG Hector को कंपनी 15 लाख रुपए की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचती है। MG Hector SUV 5-सीटर और 7-सीटर दोनों ही विकल्पों के साथ उपलब्ध है। बाजार में 7-सीटर वाली हेक्टर MG Hector Plus के नाम से जानी जाती है।

## इस महीने कई कारें हो सकती हैं बंद, कंपनियां दे रहीं इन पर बंपर डिस्काउंट

BS6 फेज II एक अप्रैल 2023 बीएस 6-II उत्सर्जन मानकों के अनुरूप ही कारों को बनाएगी। जिसके कारण कीमत में बढ़ोतरी होगी और कुछ कंपनियां अपने स्टॉक को खत्म करने के लिए कई ऑफर्स भी दे रही है।

मार्च अब खत्म ही होने वाला है, इसके साथ ही ये 2022-23 फाइनेंशियल ईयर का आखिरी महीना भी है। इस महीने के बाद कई चीजें बदल जाएगी। एक तरह के कहे तो 1 अप्रैल से कई नियम लागू होने वाला है। इनमें से एक नियम BS6 फेज II का नए एमिशन नॉर्म्स का है। इसके चलते कई कारें बंद होने वाली है। इसके चलते सभी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी कारों के इंजन को अपडेट कर रही है।

इसके कारण कारों की कीमत भी बढ़ने वाली है। हालाकिं कई कंपनियों ने तो अपनी कारों की कीमत में बढ़ोतरी करनी भी चालू कर दी है। इसके बाद जिन मॉडल्स की ब्रिकी सेल्स में कम है, उनको तो कंपनी बंद ही कर रही है। वहीं कुछ कंपनियां अपने स्टॉक को खाली करने के लिए शानदार डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं।

भारतीय बाजार में होंडा अपने 5 मॉडल बंद करने वाली है। इसमें शामिल होंडा सिटी 4th जेन, सिटी 5th जेन (डीजल), अमेज (डीजल), जैज और WR-V। वहीं कंपनी ने इसका प्रोडक्शन पहले ही बंद भी कर दिया था।

भारतीय बाजार में महिंद्रा लोगों के दिलो पर आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। कंपनी अपने कुछ मॉडल्स को बंद करने वाली है। मराजो, अल्टुरस G4 और KUV100 है। कंपनी इसके स्टॉक को खाली करने के लिए 70 हजार रुपये का ऑफर दे रही है।

भारतीय बाजार में हुंडई अपनी 2 कारों को बंद करने वाली है। वो अपनी वरना (डीजल) और अल्काजार (डीजल) को बंद करेगी। कंपनी अपने स्टॉक को खाली करने के लिए 1.25 लाख रुपए तक का बेनिफिट दे रही है।

कंपनी अपनी दो कारों को बंद करने वाली है। ये दोनों मॉडल पेट्रोल से चलने वाले हैं। इसके कारण ही कंपनी इनको अपडेट नहीं कर रही है और जल्द से जल्द अपने स्टॉक को खाली करने वाली है। इसके लिए कंपनी 55 हजार रुपये का ऑफर प्रदान करा रही है।

# इस हफ्ते टू-व्हीलर मार्केट में हुआ बहुत कुछ नया

## हीरो ने उतारा इलेक्ट्रिक स्कूटर तो होंडा ने लॉन्च की बाइक

*इस हफ्ते भारतीय बाजार में बहुत सारी बाइक लॉन्च हुईं। इस लेख में हम आपको 100 सीसी Honda Shine से लेकर Kawasaki Z900 RS तक में हुए अपडेट के बारे में बताने जा रहे हैं।*

**नई दिल्ली।** भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार बहुत बड़ा है। आए दिन यहां कुछ न कुछ नया होता ही रहता है। आज के इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस हफ्ते भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में क्या नया आया, पढ़िए पूरी खबर...

**पल्सर NS 200 और NS 160 हुई अपडेट**

देश की पॉपुलर दोपहिया कंपनी बजाज ने इस हफ्ते NS 200 और NS 160 को नए बदलावों के साथ लॉन्च किया है। कंपनी ने नई बजाज पल्सर NS160 की एक्स-शोरूम कीमत 1.35 लाख रूपए और NS200 की एक्स-शोरूम कीमत 1.47 लाख रुपए रखी है। बदलाव की बात करें तो इन दोनों बाइक में कंपनी ने अपडेट डुअल-चैनल ABS सिस्टम और अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क सेटअप ऑफर किया है।

**आ गई 100 सीसी में Honda Shine**

जापानी वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक Honda Shine को 100 सीसी इंजन के साथ लॉन्च किया है। इसका सीधा मुकाबला हीरो की 100 सीसी वाली बाइक स्प्लेंडर प्लस से होगा। कंपनी इसे 64,900 रूपए (एक्स-शोरूम, मुंबई) की कीमत पर बेचेगी।

**Kawasaki Z900 RS हुई अपडेट**

Kawasaki ने ZX-10 R की लॉन्चिंग के बाद इस हफ्ते 2023 Kawasaki Z900 RS को भी भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इसे ऑउटगोइंग मॉडल के मुकाबले 51 हजार रुपए महंगा कर दिया गया है। अब इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 8.93 लाख रुपए है। बदलाव की बात करें तो इसमें नई कलर स्कीम, अपडेटेड पॉवरट्रेन के साथ ट्रैक्शन कंट्रोल, TFT स्क्रीन, इंस्ट्रूमेंट कलस्टर और ब्लूटूथ क्नेक्टिविटी जैसे फीचर्स शामिल किए गए हैं।

**नई Interseptor 650 और Continental GT हुई लॉन्च**

इस हफ्ते Royal Enfield ने अपनी दो 650 सीसी वाली बाइक को अपडेट के साथ पेश किया है। कंपनी ने 2023 इंटरसेप्टर 650 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 को कई अपडेट के साथ लॉन्च कर दिया है। दोनों बाइक की कीमत की बात करें तो नई Interseptor 650 3.03 लाख रुपए और Continental GT 3.19 लाख रुपए (एक्स-शोरूम चेन्नई) की कीमत पर उपलब्ध है।

**ये भी हैं नए अपडेट**

इस हफ्ते हुए अन्य लॉन्च की बात करें तो हीरो इलेक्ट्रिक ने अपने Optima और NYX रेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटरों को नए ढंग से पेश किया है। KTM ने भी इस हफ्ते 1290 Super Duke की भारतीय बाजार में वापसी कराई है। देश के उभरते इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड ने इसी हफ्ते Ola S1 Pro के Limited Holi Edition के पेश किया।

# किस्सा अमृतपाल का

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

**अमृतपाल सिंह के किस्से का पटाक्षेप अभी तक नहीं हुआ है। यानी वह अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। कहा जा रहा है कि पुलिस उसे ढूंढ रही है। इसमें तो कोई संशय नहीं कि देर-सवेर वह पकड़ में आ ही जाएगा। कहा जा रहा है कि अमृतपाल सिंह जिस समय दुबई में वाहन चलाने का काम कर रहा था तभी वह विदेशी एजेंसियों की पकड़ में आ गया था। अमृतपाल सिंह के व्यवहार, चाल-ढाल और भाषा से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है**

हैरत की बात यह है कि आम आदमी पार्टी की सरकार मूसेवाला की निर्मम हत्या के बाद भी गैंगस्टरों पर काबू नहीं पा सकी। उसके पिता ने सार्वजनिक रूप से नाम लेकर कुछ लोगों के नाम लिए लेकिन सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंगी। सरकार के इस व्यवहार से आम आदमी पार्टी पर ही इस मामले को लेकर शक की सुई घूमने लगी कि कहीं यह पार्टी इस हत्या का किसी न किसी प्रकार से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश तो नहीं कर रही? सरकार की इस अकर्मण्यता से दुखी बलकौर सिंह से अमृतपाल सिंह के लोगों ने भी यदि सम्पर्क कर लिया हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सिद्धू मूसेवाला की बरसी पर उसके माता-पिता की बातों से यही लगता था कि सरकार यदि कुछ नहीं करती तो वे कहां जाएं? इतिहास गवाह है कि ऐसे मौके पर गैंग आशा बंधाने चले जाते हैं। लेकिन इस प्रश्न का उत्तर तो भगवंत सिंह मान को देना ही होगा कि क्या पुलिस में से ही किसी ने अमृतपाल सिंह को चलाने वालों को पुलिस के अभियान की ख़बर दे दी थी? फिलहाल जांच-पड़ताल के बाद इस पूरे षड्यंत्र की जितनी परतें खुलती जा रही हैं, उससे इतना तो पता चलता ही है कि पंजाब में इस अभियान का आधार नहीं है'

अमृतपाल सिंह के किस्से का पटाक्षेप अभी तक नहीं हुआ है। यानी वह अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। कहा जा रहा है कि पुलिस उसे ढूंढ रही है। इसमें तो कोई संशय नहीं कि देर-सवेर वह पकड़ में आ ही जाएगा। कहा जा रहा है कि अमृतपाल सिंह जिस समय दुबई में वाहन चलाने का काम कर रहा था तभी वह विदेशी एजेंसियों की पकड़ में आ गया था। अमृतपाल सिंह के व्यवहार, चाल-ढाल और भाषा से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है कि विदेशी एजेंसियों ने उसे प्रशिक्षित करने में काफी समय खपाया है। लेकिन एक प्रश्न सहज ही उठाया जा सकता है कि कुछ लोग प्रश्न करते हैं कि यदि यह काम विदेशी एजेंसियों का ही होता तो वे कनाडा-अमेरिका से किसी अच्छे पढ़े लिखे व्यक्ति पर दांव लगातीं। दरअसल पंजाब में इन विदेशी एजेंसियों ने पंजाब में जिस काम को अंजाम देना है, उसके लिए ग्रामीण पृष्ठभूमि का कोई अर्ध शिक्षित रस्टिक व्यक्तित्व का व्यक्ति ही उपयोगी हो सकता है। उस ढांचे में अमृतपाल सिंह ही फिट बैठ सकता था। इस आन्दोलन में विदेशी एजेंसियां चाहती हैं कि उन द्वारा निर्माण किए गए हीरो के पीछे गांव के उस युवा को जोडना है जो एडवेंचरिजम से जल्दी प्रभावित हो जाता हो। अच्छी तरह प्रशिक्षित अमृतपाल सिंह ही इसके लिए सर्वाधिक उपयुक्त हो सकता था। लेकिन असली प्रश्न यह है कि जब कुछ विदेशी एजेंसियां इस सारे अभियान में लगी हुईं थीं, उस समय इसकी भनक हमारी एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? आखिर यह सारा प्रशिक्षण और रणनीति कुछ महीनों में तो बनी नहीं होगी।

एक बात और आश्चर्यचकित करती है कि अमृतपाल सिंह को कवरिंग फायर प्रदान करने के लिए बुद्धिजीवियों का एक पूरा गिरोह योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा था। अमृतपाल सिंह के भाषणों की तार्किक व्याख्या कर उसे अकादमिक रूप में पेश करना उसी गिरोह का काम था जो उसने बखूबी निभाया और निभा रहा है। इस बार अमृतपाल सिंह और उसको पंजाब के मैदान में उतारने वाले लोगों ने इस बात का ध्यान रखा कि सारा खेल जन कल्याण के नाम पर खेला जाए। यही कारण है कि अभियान नशा मुक्ति केन्द्रों के आवरण में ही छेड़ा गया। इन केन्द्रों को धार्मिक स्थानों से संचालित किया गया। लेकिन समय रहते अमृतपाल सिंह ने अपने सारे अभियान का बाटम लाईन खुद ही स्पष्ट कर दी थी कि मैं अपने आप को भारतीय नागरिक नहीं मानता हूं। उसका आभामंडल स्थापित करने के लिए सार्वजनिक रूप से हथियारों का प्रदर्शन करते हुए, एक जत्था निरंतर साथ चलता रहता था। इससे आम जनता में यह भ्रम फैलता है कि सरकार स्वयं ही इस नए समूह से भयभीत रहती है। सरकार के इस रवैए से नौकरशाही संकेत ग्रहण करती है। इसका उदाहरण तो सामने है ही। पंजाब के मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के आचरण और भाषा से संकेत लेते हुए प्रधानमंत्री की सुरक्षा से ही समझौता कर लिया था। जो नौकरशाही अपने स्वार्थ के लिए प्रधानमंत्री की सुरक्षा से खिलवाड़ कर सकती है, उसके लिए आम पंजाबियों की सुरक्षा भला क्या मायना रखती होगी। जो लोग अमृतपाल सिंह को आगे करके सारा खेल खेल रहे थे, उनकी रणनीति में एक ऐसा पत्ता भी था जिसके चलते 'चित्त भी मेरी और पट भी मेरी' वाला मामला बनता था। अजनाला में वह खेल उन्होंने श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की पालकी को आगे करते किया। अजनाला थाने पर कब्जा करने का यह सारा प्रकरण इसी पद्धति से हुआ। पुलिस गोली चला देती तो बेअदबी का मामला बनता था। इस काम के लिए पुलिस को उत्तेजित भी किया गया। यदि पुलिस इसके बाद भी उत्तेजित नहीं होती तब थाने पर कब्जा तो पक्का ही था। दोनों स्थितियों में लाभ यह सारी व्यूह रचना करने वालों को ही होता और ऐसा हुआ भी। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले से उनके परिवार में उपजी निराशा और आम जनता में उत्पन्न भय को 'वारिस पंजाब दे' के साथ जोड़ कर एक नई लहर उत्पन्न करने का गहरा षड्यन्त्र था।

हैरत की बात यह है कि आम आदमी पार्टी की सरकार मूसेवाला की निर्मम हत्या के बाद भी गैंगस्टरों पर काबू नहीं पा सकी। उसके पिता ने सार्वजनिक रूप से नाम लेकर कुछ लोगों के नाम लिए लेकिन सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंगी। सरकार के इस व्यवहार से आम आदमी पार्टी पर ही इस मामले को लेकर शक की सुई घूमने लगी कि कहीं यह पार्टी इस हत्या का किसी न किसी प्रकार से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश तो नहीं कर रही? सरकार की इस अकर्मण्यता से दुखी बलकौर सिंह से अमृतपाल सिंह के लोगों ने भी यदि सम्पर्क कर लिया हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सिद्धू मूसेवाला की बरसी पर उसके माता-पिता की बातों से यही लगता था कि सरकार यदि कुछ नहीं करती तो वे कहां जाएं? इतिहास गवाह है कि ऐसे मौके पर गैंग आशा बंधाने चले जाते हैं। लेकिन इस प्रश्न का उत्तर तो भगवन्त सिंह मान को देना ही होगा कि क्या पुलिस में से ही किसी ने अमृतपाल सिंह को चलाने वालों को पुलिस के अभियान की ख़बर दे दी थी? फिलहाल जांच पड़ताल के बाद इस पूरे षड्यन्त्र की जितनी परतें खुलती जा रही हैं, उससे इतना तो पता चलता ही है कि पंजाब में इस अभियान का आधार नहीं है। विदेशों से संचालित गिरोह, विदेश से ही ज्यादा हलचल कर रहा है। भारत सरकार को यह तो पूछना ही चाहिए कि अमेरिका, कनाडा व लंदन की सरकारें इस अभियान को हवा क्यों दे रही हैं? यह राजनयिक शिष्टाचार व नियमों के खिलाफ है। पाकिस्तान को भी चेतावनी दी जानी चाहिए। अमृतपाल के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से बताए गए हैं। पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रोत्साहन देता रहा है। इसलिए इस बार उसे कड़ी चेतावनी दी जाए। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में पक्के सुरक्षा बंदोबस्त करने होंगे। हमें किसी आतंकवादी घटना का इंतजार करने के बजाय पहले से ही कड़े सुरक्षा प्रबंध करने हैं।

## संपादक की कलम से

# सियासी मंच पर जनमंच

सवाल जनमंच की उपयोगिता से निकला और इसकी बिसात में भी सियासत बिछ गई। विधानसभा सत्र के बहाने फिर राजनीति के मंच पर चढ़ा जनमंच। इसके पक्ष और विरोध में हुए राजनीतिक मुकाबले से दूर कहीं आम आदमी के सवालों का विश£षण होता तो व्यवस्था भी सही होती। शिकायत को माइक की जरूरत है या सरकारों के पास शिकायती कान होने चाहिएं, जो प्रक्रिया के बजाय मंच पर बजें। बेशक आंकड़ों में जनमंच पर 39726 शिकायतें चढ़ीं, लेकिन इससे सुशासन को मुंह छुपाने का बहाना भी मिल गया। इतनी शिकायतों का समाधान अगर जनमंच की प्रासंगिकता बता रहा या यह साबित कर रहा कि रूटीन में दफ्तर असफल हो रहे, तो यह व्यवस्था की कुशलता तो नहीं है। हम अगर जनमंच को सही विकल्प नहीं मानते, तो आगे भी इसी तरह के मंच का समर्थन नहीं कर सकते। यहां सवाल कान पकडने के तरीके का नहीं और न ही यह मुकाबला मंचों पर होगा कि किस सरकार ने कहां से कान पकड़े, बल्कि मूल प्रश्र सरकारी कार्य संस्कृति की परंपरा बदलने का है या यह देखने का भी है कि कहां तालमेल में अंतर और सार्वजनिक सुनवाई में छेद हैं। जनमंच हो या कल इसी तरह का कोई अन्य शिकायत मंच स्थापित हो जाएं, इनकी प्रस्तुति में ये केवल सियासी रंगमंच ही बनते रहेंगे। हमने अतीत के जनमंचों पर कुछ मंत्रियों को केवल अधिकारियों को लताड़ते देखा है, जबकि न तो कार्रवाइयों से व्यवस्था में परिवर्तन हुआ और न ही समाधानों का स्थायी कृतित्व विकसित हुआ। आश्चर्य यह कि शिकायत भी अगर लोकचरित्र का मंचन करे, तो माहौल की तलख्यिों में केवल नौटंकी ही होगी। सुशासन को हम जनमंच से जोड़ पाए या हर दफ्तर को सचेत करने पर बहस होनी चाहिए। बहुत सारे विभाग हैं जिन्हें चौबीस घंटे सक्रिय रहना होता है, तो क्या चंद जनमंचों की बदौलत इनका चरित्र और चेहरा बदल जाएगा। जनमंच न तो दैनिक क्रिया रही है और न ही इसमें जुटने वाली प्रतिक्रियाओं की सार्थकता सामने आई। दफ्तर के रूटीन कार्यों को अगर मंचों पर आसीन होने की आदत लग जाए, तो कार्यसंस्कृति केवल मंचन ही होगा और यह होने लगा था जब कुछ प्रमाणपत्र या लाइसेंस जैसे दस्तावेज भी सार्वजनिक रूप से बंटने लगे थे। सरकार की मौजूदगी में जनमंच भले ही ऊंचे संबोधनों की विरासत में राजनीतिक लाभ चुन लें, लेकिन प्रशासन की मौलिकता, पारदर्शिता, ईमानदारी व पवित्रता को इससे आंका नहीं जा सकता। सुशासन पर मोहर तब लगेगी जब विभागों के लक्ष्य इन्हीं के दायित्व में पूरे होंगे। सुशासन की पहचान के लिए मंच से उतर कर फील्ड को देखना पड़ेगा ताकि पता चले कि लोकनिर्माण विभाग के कार्यों की गुणवत्ता क्या है। जलशक्ति विभाग की परियोजनाओं का मुआयना करके ही पता चलेगा कि जलापूर्ति कितनी दोषपूर्ण है। बस में जब मंत्री चलेंगे तो एचआरटीसी की दिक्कतें पता चलेंगी। जनमंच केवल शिकायतों को मौका देता है, जबकि प्रशासन के भीतर बहुत सारे कर्मचारी-अधिकारी वर्षों से अपने दायित्व की मिसाल हैं, तो उनको श्रेय देने के लिए क्या कोई पद्धति बनी। सरकारें अगर अपनी स्थानांतरण नीति या नियम ही तय नहीं कर पाएंगी, तो मंच सजा कर कोसने के सिवाय मिलेगा भी क्या। क्या बेरोजगारों को जनमंच रोजगार दे पाएगा या जब भर्ती घोटाले या कर्मचारी चयन आयोग में पेपर लीक हो रहे थे, तो क्या किसी जनमंच ने इनके कान पकड़े।

शिकायतें तो व्यापारी, दुकानदार या हर निजी व्यापार में ढेरों हैं, तो क्या कभी इनके पास कोई जनमंच गया। जनमंच एक अच्छा आयोजन हो सकता और अगर सत्ता को भीड़ इक_ी करके खुद को भांपना है तो भी यह सुखद अनुभव हो सकता है, लेकिन क्या जनमंच को आम नागरिक हमेशा अपने नजदीक बुला सकता है। उसके नजदीक तो पंचायत कार्यालय है, जहां सचिव मौजूद होना चाहिए।

## चर्चा

# बजटजी के अच्छे असर

आप कहेंगे बजट को बजटजी लिख दिया। बजटजी बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति के नाम के के साथ किस्म किस्म के अलंकरण चिपका दिए जाते हैं, फिर साल में एक बार आकर पूरे साल रंग जमाए रखने वाले बजट के साथ जी लगाने में क्या हजर् है। इनके आने से पहले कितने अनुमान लगाए जाते हैं कि बजटजी की शक्ल ऐसी, वैसी या न जाने कैसी कैसी होगी। बजटजी आते फटाक से हैं लेकिन असर धीरे धीरे फैलता है। रसोई के लिए रोज़ाना सब्ज़ी लाने की डयूटी अपनी है, यूं पत्नी कामकाजी नहीं गृहिणी है। घर के पास बाज़ार है, मगर वह गाकर गुज़ारिश करने पर भी रोजमर्रा की शापिंग नहीं करतीं। उन्हें लगता है रोज़ बाज़ार जाएंगी तो घर के बजटजी महाराज नाराज़ हो जाएंगे और यह सेहत के लिए अच्छा नहीं होगा। वह खाना स्वादिष्ट बनाती है व मनपसंद सीरियल्स देखने के बावजूद घर का सारा कामकाज स्वयं करती है।

कई तरह से यह हमारे परिवार के लिए महाबचतपूर्ण है। पत्नी के इस अनुशासन पर पिछले कई बजट का ठोस असर साफ दिखता है जो घरेलू जीवन में आए छोटी मोटी मंदी को आराम से झेल जाता है। फिर भी हर बजटजी और उनके भाई विकासजी ज़िंदगी पर असर तो डालते ही हैं। नए बजटजी की ताज़ा ठंडी धूप में अभी कल ही सब्ज़ी लेने गया तो आदत अनुसार मटर छांटने लगा। सब्ज़ीवाला बोला आज मत छांटिए बाबूजी। पूछा क्यों, बोला, बजट आ चुका है न। अब तो रेट पूछना ज़रूरी हो गया था। मटर का रेट क्या है, बोला ब्रोकली सत्तर रुपए किलो, मटर साठ, गोभी पचास, घिया चालीस। हमने कहा तीन सौ ग्राम मटर देना। वह हंसते हुए बोला, आ गया न बजट। रेट सुनकर दूसरी सब्ज़ी खरीदने की हिम्मत और ज़रूरत महसूस नहीं हुई, न ही एक दो मिर्च मुफ्त मांगने की। सब्ज़ीवाला किसी से कह रहा था बहुत लाल हो गई है मिर्च।

घर पहुंचे मटर पत्नी को सौंपी तो बोली बस मटर लाए हो, और कुछ नहीं। बताया कि गोभी पचास रुपए बिक रही है, मोटे-मोटे, लंबे-लंबे जड़ तक डंठल, मुरझाए बड़ेबड़े पत्तों समेत। फिर यह भी पक्का कि उसमें कीड़े होंगे, इसलिए नहीं लाया। कोई नई बात नहीं है, हर बजट कुछ अनुशासन बढ़ाकर ही जाता है। मटर कम हुई तो क्या, इससे मैं दो सब्जियां बना ही लूंगी। आलू मटर की पारम्परिक सब्ज़ी के साथ मटर के छिलकों को प्याज के साथ मिक्स कर सूखी सब्ज़ी बना दूंगी। हिन्दुस्तानी गृहिणी ने पलक झपकते वेस्ट से सब्ज़ी बनाने का भुलाया जा चुका फार्मूला बजटजी का असर शरू होते ही लागू कर दिया था। हमने पूछा अगर पच्चीस रुपए में आधा किलो गोभी ले ही आता तो क्या करतीं। उन्होंने इत्मीनान से बताया, पहले कीड़े चैक करती, होते तो निकालती, फिर गोभी की सूखी सब्ज़ी बनाती। मोटे-मोटे , लंबे-लंबे डंठलों में से नर्म हिस्सा निकाल एक आलू डालकर रसेदार सब्ज़ी बनाती और मुरझाए हुए पत्तों व बचे सख्त हिस्से को अच्छी तरह से साफ कर उबालकर सूप बनाकर आपको पिलाती। यानी तुम पच्चीस रुपए की गोभी में से तीन सब्जियां निकाल ही लेती। पत्नी का जवाब मनमोहक था, हम न्यू इंडिया की वूमन पावर हैं, सबसे निबटना अच्छी तरह जानती हैं। कौन कहता है बजटजी के अच्छे असर नहीं होते।

*प्रभात कुमार*

# देश को क्षति पहुंचाने वाले ढोंगी और दल

योगेन्द्र योगी

> अमृतपाल से पहले भी दूसरे ऐसे दूसरे ढोंगी बाबाओं के मामलों में पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां और राजनीतिक दल तब तक कार्रवाई करने से कतराते रहे जब तक वे देश या राज्य के लिए खतरा नहीं बन गए।

देश और समाज विरोधी कार्रवाई में लिप्त रहे इन पाखंडी बाबाओं और धर्म के ठेकेदारों को अंदाजा होता है कि राजनीतिक दल और सरकार वोट बैंक खिसकने के डर से आसानी से उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे। यदि सरकार ने ऐसा कोई प्रयास किया तो उनके समर्थक बवाल मचा देंगे। इसी आड़ में वे न केवल समर्थकों की फौज खड़ी कर लेते हैं, बल्कि यहां तक कि हथियारों का जखीरा भी जमा करने से नहीं हिचकिचाते। यही कारण है कि ऐसे ढोंगियों को कानून की परवाह नहीं होती। ऐसा नहीं है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इनकी करतूतों की जानकारी नहीं होती। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के हाथ बंधे होते हैं। सत्तारूढ़ दल की स्वीकृति के बगैर कोई कानूनी कार्रवाई सम्भव नहीं होती। अमृतपाल सहित दूसरे ऐसे सरगना सरकारों की ऐसी कमजोरियों का फायदा उठाते हुए सिर उठाते रहे हैं'

यह पहला मौका नहीं है जब धर्म की आड़ में हथियार जमा करके खालिस्तान समर्थक अमृतपाल जैसे स्वयंभू धार्मिक प्रचारक ने देश की एकता-अखंडता को चुनौती दी है। दरअसल ऐसे कथित बाबा और स्वयंभू पंथ प्रवर्तक जब तक राज्य और देश के लिए खतरा नहीं बन जाते तब तक पुलिस और अन्य एजेंसियां तमाशबीन बनी रहती हैं। धर्म के नाम पर होने वाले इस तरह के कारनामों से भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब हुई है। राजनीतिक दल ऐसे मुद्दों पर वोट खिसकने के भय से मौन साधे रहते हैं। ऐसे ढोंगियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में तभी लाई जाती है, जब राजनीतिक दलों को इनसे खतरा सताने लगता है। इससे पहले इनकी सारी आपराधिक हरकतों पर सरकारें वोट बैंक खिसकने के भय से चुप्पी साधे रहती हैं। ऐसा ही खालिस्तान समर्थक और संगठन 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल के मामले में हुआ। यह मुद्दा सिरदर्द बनने के बाद सरकारें बगलें झांकने लगी। धर्म की आड़ लेकर समानांतर सरकार चलाने का ख्वाब पालने वाले ऐसे कथित ढोंगियों को राजनीतिक दल शह देते आए हैं। जब पानी सिर से गुजरने लगता है, तब कारवाई की नौबत आती है। अमृतपाल ने जब सरेआम हथियारों के साथ प्रदर्शन किया, तब तक पुलिस कार्रवाई के लिए पंजाब सरकार का मुंह ताकती रही। केंद्र सरकार के चेतावनी देने पर खतरे की गंभीरता के मद्देनजर कानूनी कार्रवाई की पहल की गई।

अमृतपाल से पहले भी दूसरे ऐसे दूसरे ढोंगी बाबाओं के मामलों में पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां और राजनीतिक दल तब तक कार्रवाई करने से कतराते रहे जब तक वे देश या राज्य के लिए खतरा नहीं बन गए। अमृतपाल के अलावा चर्चित मामला ढोंग विद्या में माहिर नित्यानंद स्वामी का है। नित्यानंद की धोखाधड़ी की गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई। समय रहते हुए कार्रवाई नहीं करने से इससे भारत की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ा है। नित्यानंद ने नागरिकों के अलावा अमरीकी सरकार को अपने फरेब के जाल में फांस लिया और यह विश्वास दिला दिया कि वह एक देश कैलाशा का सर्वेसर्वा है। इस आधार पर उसने 30 अमरीकी शहरों को ठग लिया। फर्जीवाड़े की इंतहा यह रही कि नित्यानंद संयुक्त राष्ट्रसंघ तक पहुंचने में कामयाब हो गया। इस दौरान भारत और अमरीका की सुरक्षा एजेंसियां सोती रही। शातिर नित्यानंद के हथकंडों का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कागजी देश कैलाशा का प्रतिनिधित्व करते हुए उसकी एक महिला प्रतिनिधि सबकी आंखों में धूल झोंकते हुए संयुक्त राष्ट्रसंघ में ऑनलाइन भारत के खिलाफ भाषण तक दे आई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र की नींद खुली।

भारत में धार्मिक आस्थाओं से खिलवाड़ करके देशद्रोह का काम करने वाले द्रोहियों की सूची काफी लंबी है। इसी खला में देश की सुरक्षा एजेंसियों को अभी तक इस्लाम के कथित उपदेशक जाकिर नाइक की तलाश है। जाकिर नाइक पर भारत में भडक़ाऊ भाषण देने, मनी लॉन्ड्रिंग करने और आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप है। मई 2019 में ईडी ने जाकिर नाइक के खिलाफ टेरर फंडिंग मामले में चार्जशीट दायर की थी। नाईक 2016 से भारत से बाहर है। उसके खिलाफ भारतीय एजेंसियो ने नोटिस जारी किया है।

इसी तरह ईसाई धर्म की आड़ में धार्मिक आस्थाओं को भुना कर अपने नापाक मंसूबे पूरे करने के प्रयास के मामले में तमिलनाडु के कन्याकुमारी में एक रोमन कैथोलिक पादरी जॉर्ज पोन्नैया को गिरफ्तार किया गया था। पादरी पोन्नैया पर धार्मिक समूहों के बीच नफरत और दुश्मनी फैलाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, डीएमके नेता एवं अन्य के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के आरोप लगे थे। ऐसा ही एक मामले में खुद को ईसा मसीह का पैगंबर बताकर भविष्य में होने वाली घटनाओं की भविष्यवाणी करने का दावा करने वाले ठग पादरी बजिंदर सिंह को 2017 में अपनी ही फॉलोवर लडक़ी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बजिंदर हत्या के मामले में जेल भी गया।

कथित धर्म गुरुओं ने कई बार लोगों की जान खतरे में डाली है। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के नयापुरा इलाके में कोरोना को चूम कर भगाने का दावा करने वाले मौलवी या इस्लामिक धर्मगुरु असलम कोरोना से संक्रमित पाया गया था, जिसके कुछ दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के पश्चात उसके सम्पर्क में आए 19 लोगों में से 4 की मौत हो गई। रेप और मर्डर के संगीन मामले में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम का प्रकरण पुराना नहीं है। डेरा प्रमुख 2017 से हरियाणा की सुनारिया जेल में बंद है, जहां वह सिरसा में अपने आश्रम के मुख्यालय में दो महिला शिष्यों से बलात्कार के आरोप में 20 साल की सजा काट रहा है। उसकी गिरफ्तारी पर पंचकूला और सिरसा में दंगे हुए और 38 लोगों की मौत हो गई। डेरा प्रमुख को राजनीतिक कारणों से पैरोल पर रिहा किए जाने के आरोप लगे। गुजरात निवासी आसाराम बापू की गिरफ्तारी पर भी राजनीतिक दलों ने खूब शोर मचाया। आसाराम पर छेडख़ानी, हत्या, जान से मारने की धमकी और दुष्कर्म करने का आरोप है। कुटिया में छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में आसाराम जोधपुर जेल में बंद है।

देश और समाज विरोधी कार्रवाई में लिप्त रहे इन पाखंडी बाबाओं और धर्म के ठेकेदारों को अंदाजा होता है कि राजनीतिक दल और सरकार वोट बैंक खिसकने के डर से आसानी से उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे। यदि सरकार ने ऐसा कोई प्रयास किया तो उनके समर्थक बवाल मचा देंगे। इसी आड़ में वे न केवल समर्थकों की फौज खड़ी कर लेते हैं, बल्कि यहां तक कि हथियारों का जखीरा भी जमा करने से नहीं हिचकिचाते। यही कारण है कि ऐसे ढोंगियों को कानून की परवाह नहीं होती। ऐसा नहीं है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इनकी करतूतों की जानकारी नहीं होती।

## चिंतन विचार

# रूस और अमेरिकी संबंध और बिगड़े तो विश्व युद्ध का खतरा बढ़ जायेगा

अशोक मधुप

एक साल से ज्यादा से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में अब यह साबित हो गया कि नाटो देश यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस को सबक सिखाना चाहते हैं। उसे तोड़ना चाहते हैं। उनका इरादा रूस की अकड़ खत्म करने का है।

एक साल से ज्यादा से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और नाटों के दखल को देख शायद रूस ने अब इनसे ही सीधे सुलटने का निर्णय ले लिया है। वह इस तरह की पहले से इसकी चेतावनी देता भी रहा है। लगता है कि इसकी शुरुआत उसने कालासागर में अमेरिकी ड्रोन को मार कर कर दी है। उसने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका को एक तरह से चेतावनी भी दे दी है। अपने इरादे भी बता दिए हैं। घटना को लेकर रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका रूस की जासूसी कर रहा है। इसी वजह से ये घटना हुई। रूसी रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में अमेरिका ने कोई उकसावे की कार्रवाई की तो रूस भी उसका 'उचित जवाब' देगा।

एक साल से ज्यादा से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में अब यह साबित हो गया कि नाटो देश यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस को सबक सिखाना चाहते हैं। उसे तोड़ना चाहते हैं। उनका इरादा रूस की अकड़ खत्म करने का है। यह खुद तो नहीं लड़ रहे किंतु युद्धरत यूक्रेन की अस्त्र/शस्त्र और अन्य प्रकार की पूरी क्षमता से मदद करने में लगे हुए हैं। रूस भी हालत को समझ गया है। उसने पीठ पीछे की कहानी को आगे करने का निर्णय लिया। इसी के तहत रूस ने काला सागर के ऊपर उड़ते अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया। उसकी ये कार्रवाई बताती है कि उसने अमेरिका और नाटो देशों से अब सीधे निपटने का फैसला कर लिया है। अच्छा है कि नाटो अब भी संभाल जाए। सुधर जाए। रूस के दुश्मन यूक्रेन की परोक्ष और अपरोक्ष रूप से की जाने वाली मदद बंद कर दें। ऐसा न होने पर वह नाटो देशों के विरुद्ध सीधी कार्रवाई कर सकता है। यूक्रेन एक छोटा-सा देश है। रूस जैसी महाशक्ति से उसका कोई मुकाबला नहीं। यूक्रेन नाटो में शामिल होने के प्रयास में लगा था। रूस चाहता था कि यूक्रेन नाटो गठबंधन में शरीक न हो। रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन को रूस का हिस्सा मानते रहे हैं। पुतिन की सदा मंशा रही कि वो रूस को साल 1991 से पहले यानि सोवियत संघ के विघटन से पहले वाले स्वरूप में वापस लेकर आएं। यूक्रेन रूस का हिस्सा बन जाए। वह ऐसा नहीं कर पाए। उधर यूक्रेन नाटों में शामिल होने के प्रयास में लग गया। इससे उन्हें लगा कि यदि ऐसा हो गया तो नाटो की सेनाएं यूक्रेन में आ जाएंगी। यूक्रेन की और रूस की सीमा सटी है। नाटो की सेनाएं यूक्रेन में आकर रूस के लिए परेशानी ही पैदा करेंगी। साथ ही उसकी यूक्रेन के रूस में मिलाने की योजना भी धूसरित हो जाएगी।

यूक्रेन पूरी क्षमता से नाटो में शामिल होने के प्रयास में लगा था। रूस के मना करने की अपील का उस पर असर नजर नही आ रहा था। ऐसे में उसे सबक सिखाने में लिए रूस ने ये हमला किया। उसने इसे छोटा सैन्य आपरेशन नाम दिया। रूस ने हमला ये सोचकर किया कि यूक्रेन के नाटों में शामिल होने के बाद नाटो देश उसका साथ देंगे, पहले नहीं, किंतु एक साल से चल रहे युद्ध ने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका और नाटो देश खुद युद्ध नहीं लड़ रहे, अपितु वे यूक्रेन को युद्ध लड़ा रहे हैं। मदद कर रहे हैं। खुद युद्ध के मैदान में नही हैं किंतु हथियार और गोला बारूद उनका है। सिर्फ लड़ने वाले उनके सैनिक नहीं हैं। वे सिर्फ यूक्रेन के जवान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, तकरीबन 30 देशों ने भारी तादाद में यूक्रेन को हथियार और जरूरी चीजें मुहैया कराईं। ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों ने भी ऐलान किया है कि यूक्रेन को विध्वंसकारी टैंक जैसे- 'चैलेंजर 2 टैंक' और 'लेपर्ड 2 टैंक' यूक्रेन को मुहैया कराये जाएंगे। यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद अमेरिका कर रहा है। अमेरिका ने यूक्रेन को 90 स्ट्राइकर भेजे हैं। इसके अलावा, अमेरिका ने यूक्रेन को 59 ब्रेडली इन्फैंट्री लड़ाकू विमान भेजे हैं। रूस के खिलाफ लड़ने के लिए अमेरिका लगातार अपने हथियारों का जखीरा यूक्रेन को दे रहा है। गौरतलब है कि रूस लगातार यह बात कहता आया है कि यह युद्ध यूक्रेन के अलावा अमेरिका भी लड़ रहा है।

रूस लंबे समय से अमेरिका और नाटो देशों को चेतावनी दे रहा है कि यूक्रेन की मदद की तो ठीक नहीं होगा। वह मदद को सीधा अपने पर हमला मानेगा। कई बार वह परमाणु अस्त्रों के प्रयोग की धमकी भी देता रहा है। यह भी कहा है कि किसी देश की सैटलाइट उनके देश की जासूसी करती मिली, तो वह उस सैटलाइट को मार गिराएगा। अमेरिका और नाटो देशों की कोशिश थी कि रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे कमजोर कर दिया जाए।

# विपणन वर्ष 2022-23 में 15 मार्च तक चीनी उत्पादन मामूली घटकर 2.81 करोड़ टन पर

पी.वी. न्यूज

चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में लगभग 336 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में चालू चीनी मिलों की संख्या 438 थी।

**नई दिल्ली।** देश का चीनी उत्पादन चालू विपणन वर्ष में 15 मार्च तक मामूली कमी के साथ दो करोड़ 81.8 लाख टन रह गया। उद्योग निकाय इस्मा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। विपणन वर्ष 2021-22 की समान अवधि में चीनी उत्पादन दो करोड़ 84.5 लाख टन का हुआ था। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में लगभग 336 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में चालू चीनी मिलों की संख्या 438 थी।

उद्योग निकाय ने बयान में कहा, एथनॉल उत्पादन के लिए उपयोग (डायवर्जन) के बाद देश का चीनी उत्पादन चालू विपणन वर्ष 2022-23 के अक्टूबर-15 मार्च के दौरान दो करोड़ 81.8 लाख टन था। देश में चीनी के प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन चालू विपणन वर्ष में अक्टूबर से 15 मार्च के दौरान घटकर एक करोड़ 1.9 लाख टन रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह एक करोड़ नौ लाख टन था।

इस्मा ने बयान में कहा कि देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में भी उत्पादन मामूली गिरावट के साथ 53.5 लाख टन रह गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 55.4 लाख टन का हुआ था। देश में चीनी के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन चालू विपणन वर्ष में 15 मार्च तक मामूली रूप से बढ़कर 79.6 लाख टन का हुआ, जो एक साल पहले की समान अवधि में 78.3 लाख टन रहा था। अन्य राज्यों में उत्पादन पहले के 41.8 लाख टन की तुलना में थोड़ा बढ़कर 46.8 लाख टन का हुआ।

इस्मा ने कहा कि उक्त अवधि में लगभग 31.1 लाख टन चीनी को एथनॉल उत्पादन के लिए उपयोग में लाया गया है। जनवरी में इस्मा ने अक्टूबर, 2022 में जारी 3.65 करोड़ टन के अपने पहले के अनुमान के मुकाबले वर्ष 2022-23 के लिए अपने चीनी उत्पादन अनुमान को घटाकर 3.4 करोड़ टन कर दिया। विपणन वर्ष 2021-22 में चीनी उत्पादन 3.58 करोड़ टन का हुआ।

# ईडी ने 'जानकारी लीक करने' के आरोप में अपने दो संविदा कर्मियों समेत 3 लोगों को पकड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** ईडी ने बताया है कि एक व्यक्ति (मुंबई में) ईडी कार्यालय परिसर के आसपास अक्सर छिपा रहता था। उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि वह बबलू सोनकर (अमर मूलचंदानी का कर्मचारी) है। उसे मूलचंदानी परिवार ने गवाहों को धमकाने और संवेदनशील जानकारी के बदले ईडी कार्यालय में काम करने वाले एक डेटा-एंट्री ऑपरेटर और एक आकस्मिक कर्मचारी को रिश्वत देने का काम सौंपा था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने रिश्वत लेकर जांच की 'संवेदनशील' जानकारी साझा करने के आरोप में अपने मुंबई कार्यालय में अनुबंध पर कार्यरत दो कर्मचारियों और महाराष्ट्र स्थित एक सहकारी बैंक के गिरफ्तार पूर्व अध्यक्ष के 'करीबी सहयोगी' को गिरफ्तार किया है।

यह जांच सेवा विकास सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अमर मूलचंदानी के खिलाफ धन शोधन की जांच से संबंधित है। महाराष्ट्र पुलिस ने ईडी के छापे के दौरान बाधा डालने और सबूत नष्ट करने के आरोप में मूलचंदानी और उनके परिवार के पांच सदस्यों को 27 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने कहा, 'जांच के दौरान यह पाया गया कि एक व्यक्ति (मुंबई में) ईडी कार्यालय परिसर के आसपास अक्सर छिपा रहता था। उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि वह बबलू सोनकर (अमर मूलचंदानी का कर्मचारी) है। उसे मूलचंदानी परिवार ने गवाहों को धमकाने और संवेदनशील जानकारी के बदले ईडी कार्यालय में काम करने वाले एक डेटा-एंट्री ऑपरेटर और एक आकस्मिक कर्मचारी को रिश्वत देने का काम सौंपा था।

ईडी के अनुसार भुगतान की गई राशि वसूल कर ली गई है। एजेंसी ने कहा कि सोनकर के पास से 'आपत्तिजनक' दस्तावेज बरामद किए गए हैं और ईडी के अनुबंधित कर्मचारियों ने स्वीकार किया है कि वे उसे संवेदनशील जानकारी दे रहे थे। इसलिए उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

मूलचंदानी और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच पुणे पुलिस की ओर से बैंक की शिकायतों के आधार पर दर्ज कई एफआईआर और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार की ओर से किए गए ऑडिट से संबंधित है। इसमें ₹बड़े पैमाने पर₹ धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की बात सामने आई है, जिससे सेवा विकास सहकारी बैंक को 429 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

ईडी ने कहा, ₹सहकारी बैंक को किसी भी विवेकपूर्ण वित्तीय मानदंडों का पालन किए बिना एक परिवार के स्वामित्व की तरह चलाया जा रहा था। ऋण बिना किसी व्यवहार्य सुरक्षा के और बड़े पैमाने पर रिश्वत के बदले आवेदकों की योग्यता का पता लगाए बिना मंजूर किए जा रहे थे। ईडी ने कहा, ₹92 प्रतिशत से अधिक ऋण वाले खाते एनपीए में बदल गए और अब बैंक दिवालिया हो गया है।

## इनसाइड

### पहली ऊर्जा पाइपलाइन का उद्घाटन, जानें कितने करोड़ हुए हैं खर्च

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली भारत-बांग्लादेश ऊर्जा पाइपलाइन का शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। दोनों देशों के बीच यह पहली सीमापार पाइपलाइन है। इसे लगभग 377 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। कुल कीमत में 285 करोड़ रुपये बांग्लादेश में पाइपलाइन बिछाने में खर्च हुए हैं। यह राशि भारत ने अनुदान सहायता के तहत खर्च की है।

**# पाइपलाइन से एक साल में 10 लाख टन हाई-स्पीड डीजल भेजा जा सकेगा**

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 18 मार्च शाम पांच बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये से भारत-बांग्लादेश मित्र पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे। पाइपलाइन से एक साल में 10 लाख टन हाई-स्पीड डीजल को भेजा जा सकता है। इसके माध्यम से शुरुआत में उत्तरी बांग्लादेश के सात जिलों में हाई-स्पीड डीजल भेजा जाएगा।

**# सरकार बोली ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग और बढ़ेगा**

सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, "भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन के संचालन से एचएसडी (हाई स्पीड डीजल) को भारत से बांग्लादेश ले जाने का एक स्थायी, विश्वसनीय, लागत प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल तरीका स्थापित होगा और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग और बढ़ेगा।

### श्रीलंका से आ रहे यात्रियों को बंगलुरु एयरपोर्ट पर गलत जगह पर छोड़ा, परेशान रहे यात्री

**नई दिल्ली।** सीआईएसएफ और इमिग्रेशन के साथ टर्मिनल ऑपरेशंस टीम को सतर्क कर दिया गया और यात्रियों को तुरंत आव्रजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय आगमन पर ले जाया गया। इसके बाद यात्री अंतरराष्ट्रीय बैगेज एरिया की ओर रवाना हो गए। कल श्रीलंकाई एयरलाइंस यूएल 173 से यात्रा करने वाले 30 यात्रियों को गलती से अंतरराष्ट्रीय आगमन बस गेट के बजाय बेंगलुरु हवाई अड्डे के घरेलू आगमन बस गेट पर छोड़ दिया गया था। बीआईएएल के प्रवक्ता के अनुसार इससे यात्री अंतरराष्ट्रीय की जगह घरेलू बैगेज एरिया में पहुंच गए। हालांकि, सीआईएसएफ और इमिग्रेशन के साथ टर्मिनल ऑपरेशंस टीम को सतर्क कर दिया गया और यात्रियों को तुरंत आव्रजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय आगमन पर ले जाया गया। इसके बाद यात्री अंतरराष्ट्रीय बैगेज एरिया की ओर रवाना हो गए। इस दौरान यात्री परेशान दिखे। बीआईएएल के प्रवक्ता ने बताया कि यह एक मानवीय भूल थी जिसके कारण यह भ्रम पैदा हुआ। उन्होंने कहा इस मामले में सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं।

# न्यू एज प्रोफाइल और 1000+ प्लेसमेंट्स के साथ इस बिजनेस स्कूल ने MBA ग्रेजुएट्स को दी नई उड़ान

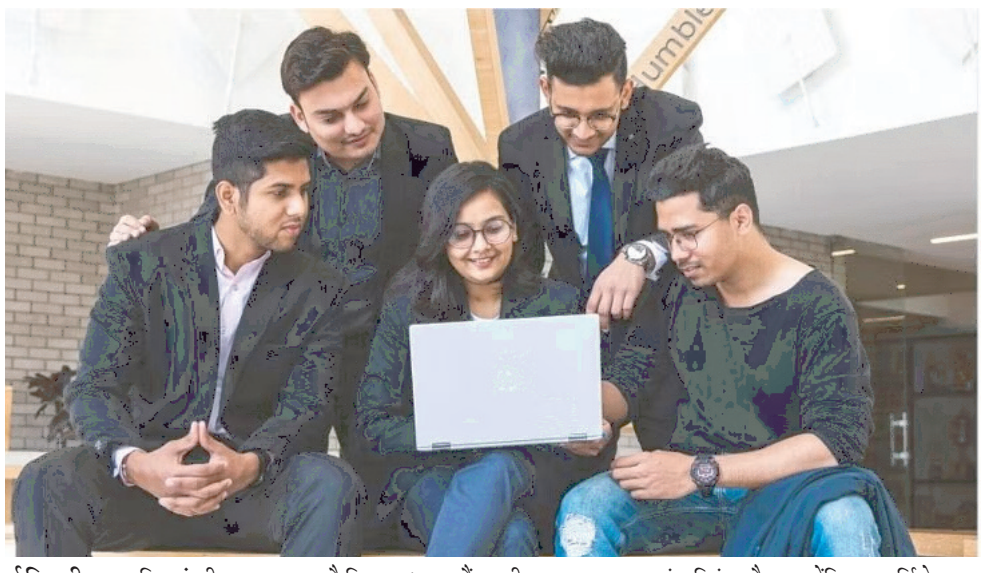

मैनेजमेंट संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट एक अहम भूमिका प्रदान करता है। न केवल इससे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को नई दिशा मिलती है, यह अपितु संस्थान के कॉर्पोरेट संबंधों को स्थापित और सत्यापित करता है।

**नई दिल्ली।** जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (Jaipuria Institute of Management) ने 2023 प्लेसमेंट सीजन में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसमें अब तक 930 छात्रों के बैच को 1000 से अधिक जॉब ऑफर मिले हैं। इस उपलब्धि के साथ इस बी-स्कूल ने सबका ध्यान अपनी और आकर्षित किया है। बता दें कि इस सीजन में 250 से ज्यादा रिक्रूटर्स ने भाग लिया, जिनमें 110 नए रिक्रूटर्स थे I इसमे से कुछ प्रमुख नाम है - एक्सेंचर, अणानी विल्मर लिमिटेड, आदित्य बिरला कैपिटल, ANZ बैंक, सीपल कॉरपोरेशन, कोलगेट पामोलिव, डाबर, डार्विनबॉक्स, डेलॉइट, डीएसपी म्यूचुअल फंड, इवैल्यूसर्व, एक्साइड, जेनपैक्ट, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज, हाफेले इंडिया, HCL टेक्नोलॉजीज, HDFC बैंक, HUL, ICICI बैंक, इंडिका ग्रुप (दुबई), JK टायर, , KMPG, महिंद्रा फाइनेंस, मैरिको, । यही नही ,इस सीजन का मुख्य आकर्षण मल्टीपल जॉब ऑफर में वृद्धि हैं, जिन्हें 100 से अधिक छात्रों ने प्राप्त किया। जयपुरिया 2023 प्लेसमेंट सीजन में कंसल्टिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर टॉप रिक्रूटर के रूप में उभरा है, जिन्होंने लगभग 50% से अधिक बच्चों को रिक्रूट किया है। समग्र भर्ती में सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि संस्थान ने 22 लाख का सबसे उच्चतम पैकेज और 12.34 लाख का औसत पैकेज शीर्ष 10% प्लेसमेंट के लिए प्राप्त किया है।₹ जयपुरिया कॉरपोरेट्स के लिए ऐसे प्रोफेशनल तैयार कर रहा है जो फाइनेंस, ऑपरेशन, एनालिटिक्स, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स में प्रशिक्षित और स्पेशलाइज्ड हैं। छात्रों में न्यू ऐज के प्रोफाइल्स जैसे बिज़नेस एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, एनालिटिक्स प्रैक्टिशनर, मशीन लर्निंग, क्लाउड स्पेशलिस्ट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, प्रोक्योरमेंट एडवाइजरी, एनालिस्ट (लॉजिस्टिक्स), स्पेंड एनालिटिक्स, एंटरप्राइज प्लानिंग, ट्रेड फाइनेंसिग और ऑपरेशन्स में प्लेसमेंट्स का ट्रेंड बढ़ा है। यह ट्रेंड संस्थान द्वारा अपने छात्रों को प्रदान किए जाने वाली बेहतरीन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, इंडस्ट्री एक्सपोजर और एकैडमिक एक्सीलेंस का प्रमाण है।

# तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है।

**नई दिल्ली।** तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

**जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत**

आज दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

| शहर | डीजल | पेट्रोल | |
|---|---|---|---|
| दिल्ली | 89.62 | 96.72 | |
| मुंबई | 94.27 | 106.31 | |
| कोलकाता | | 92.76 | 106.03 |
| चेन्नई | 94.24 | 102.63 | |

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

**जानिए आपके शहर में कितना है दाम**

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

# एसवीबी व सिग्नेचर की तरह और 186 बैंक खतरे में हैं, रिपोर्ट में जाहिर की गई आशंका

जानकारों का मानना है कि सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमाकृत जमा से उत्पन्न जोखिमों का एक उदाहरण है। दरों के बढ़ने से बैंक की परिसंपत्तियों का मूल्य कम हो गया और घबराए ग्राहकों ने अपनी गैर-बीमाकृत जमा राशि तेजी से निकालनी शुरू कर दी।

रिपोर्ट में कहा गया, 'भले ही गैर-बीमित जमाकर्ताओं में से केवल आधे ही निकासी का फैसला लें पर इससे 186 से 190 बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं को भी नुकसान का संभावित खतरा है।

**नई दिल्ली।** एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमित जमा के उच्च अनुपात के कारण अमेरिका में 186 बैंकों पर विफलता का खतरा मंडरा रहा है। सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क पर '2023 में मौद्रिक सख्ती और अमेरिकी बैंक नाजुकताः मार्क-टू-मार्केट लॉस एंड अनइंश्योर्ड डिपॉजिटर रन्स?' शीर्षक से जारी इस शोध में फेडरल रिजर्व के दर-वृद्धि अभियान के दौरान व्यक्तिगत बैंकों की परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य के नुकसान का अनुमान लगाया गया है।

अध्ययन में बैंकों की उन जमाओं की भी जांच की गई जो 2,50,000 डॉलर से अधिक हैं और नियमों के अनुसार बीमित नहीं हैं। अध्ययन के अनुसार ढाई लाख डॉलर से अधिक जमा वाले गैरबीमित निवेशकों में अगर आधे ने भी इन 186 बैंकों से जल्दबाजी में पैसे निकाल लिए तो बीमित जमाकर्ताओं को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी स्थिति होने पर बैंकों के पास सभी जमाकर्ताओं की पूरी राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में एफडीआईसी को दखल देना पड़ सकता है।

**अर्थशास्त्रियों को आशंका- 300 अरब डॉलर की बीमित जमा राशि भी खतरे में पड़ सकती है**

हालांकि यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शोध में हेजिंग पर कोई विचार नहीं किया गया जो बैंकों को बढ़ती ब्याज दरों के दुष्प्रभाव से बचा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भले ही गैर-बीमित जमाकर्ताओं में से केवल आधे ही निकासी का फैसला लें पर इससे 186 से 190 बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं को भी नुकसान का संभावित खतरा है। ऐसा होने से 300 अरब डॉलर की बीमाकृत जमाराशि भी खतरे में होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर गैरबीमित जमा राशि की तेज निकासी जारी रही तो कई बैंक खतरे में पड़ सकते हैं।

सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमाकृत जमा से उत्पन्न जोखिमों का एक उदाहरण है। दरों के बढ़ने से बैंक की परिसंपत्तियों का मूल्य कम हो गया और घबराए ग्राहकों ने अपनी गैर-बीमाकृत जमा राशि तेजी से निकालनी शुरू कर दी। नतीजा यह हुआ कि बैंक अपने जमाकर्ताओं के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रहा और उसे बंद करने की नौबत आ गई। अध्ययन करने वाले अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी कि है कि 186 बैंकों को सरकारी हस्तक्षेप या पुनर्पूजीकरण की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनकी हालत एवीबी या सिग्नेचर बैंक जैसी हो सकती है। रिपोर्ट में बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच बैंकों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक जोखिम प्रबंधन और वित्तीय स्रोतों के विविधीकरण को महत्वपूर्ण माना गया है।

### अदालत ने IRDA से कहा, विकलांग व्यक्तियों के लिए बीमा पॉलिसी पेश करें कंपनियां

अदालत ने कहा कि ऐसी बीमा पॉलिसी के परीक्षण के बाद उन्हें शीघ्रता से मंजूरी दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि फरवरी में जारी इरडा के परिपत्र के बाद अब बीमा कंपनियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे विकलांग व्यक्तियों के लिए पॉलिसी की पेशकश करें। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) से कहा कि वह बीमा कंपनियों से विकलांग व्यक्तियों के लिए पॉलिसी लाने को कहे। अदालत ने कहा कि ऐसी बीमा पॉलिसी के परीक्षण के बाद उन्हें शीघ्रता से मंजूरी दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि फरवरी में जारी इरडा के परिपत्र के बाद अब बीमा कंपनियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे विकलांग व्यक्तियों के लिए पॉलिसी की पेशकश करें। न्यायमूर्ति सिंह ने पिछले साल नियामक को विकलांग व्यक्तियों के लिए उत्पादों को तैयार करने के लिए सभी बीमा कंपनियों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने अपने आदेश में कहा, "परिपत्र के संदर्भ में कंपनियों को विकलांग व्यक्तियों के लिए एक उत्पाद पेश करना है... ऐसा आने वाले वक्त में करना है। हमारी एक सामाजिक जिम्मेदारी है।" अदालत ने कहा कि इसके पिछले निर्देशों के अनुसार इरडा ने एक बैठक बुलाई और 27 फरवरी, 2023 को एक आदर्श नीति के साथ विकलांग व्यक्तियों के संबंध में परिपत्र जारी किया। अदालत विकलांगता से पीड़ित कुछ व्यक्तियों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने बीमा प्रदाताओं से स्वास्थ्य बीमा कवरेज की मांग की थी।

## ईडी ने हुगली जिले में की छापेमारी, स्कूलों में नौकरी घोटाले मामले में कार्रवाई

**नई दिल्ली।** ईडी ने निष्कासित तृणमूल कांग्रेस नेता शांतनु बनर्जी की परिसंपत्तियों की तलाश में शनिवार को हुगली जिले में छापेमारी की। कार्रवाई स्कूली नौकरियों के एवज में नकदी के कथित घोटाले की जांच के तहत की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में निष्कासित तृणमूल कांग्रेस नेता शांतनु बनर्जी की परिसंपत्तियों की तलाश में शनिवार को हुगली जिले में छापेमारी की। कार्रवाई स्कूली नौकरियों के एवज में नकदी के कथित घोटाले की जांच के तहत की गई। जानकारी के मुताबिक, ईडी जांच दल को कम से कम छह भागों में बांटा गया। टीम ने शनिवार सुबह से पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में बालागढ़, बांदेल, चिनसुराह एवं अन्य क्षेत्रों में शांतनु बनर्जी की कथित संपत्तियों पर छापा मारा। एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल शांतनु की इन संपत्तियों के अंदर से ज्यादा कुछ नहीं मिला है। बांदेल और चिनसुराह में दो फ्लैट के ताले हमें तोड़ने पड़े। आरोपी के नाम पर पंजीकृत एक अतिथि गृह के मुख्य द्वार का ताला भी तोड़ा गया। हालांकि, ईडी को ऐसा कुछ नहीं मिला, जो जांच को अगले स्तर पर ले जाने में मददगार हो। तलाशी अभियान अब भी जारी है। दरअसल, शांतनु बनर्जी केंद्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में हैं। ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने के शीघ्र बाद ही उन्हें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया था।

# फिर मंडरा रहा कोरोना का खतरा, बढ़ते मामलों के बीच 10-11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कई हफ्तों में कुछ राज्यों में COVID-19 की टेस्टिंग में गिरावट आई है।

**नई दिल्ली।** देश में एक बार फिर कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लुएंजा के मामले बढ़ने लगे हैं। इस बीच सरकार अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बना रही है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयां इस मॉकड्रिल में भाग लेंगे। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि 27 मार्च को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में मॉक ड्रिल के सटीक विवरण के बारे में राज्यों को जानकारी दी जाएगी।

**इन राज्यों में कोरोना के अधिकांश मामले**

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और ICMR के महानिदेशक डॉ राजीव बहल द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि फरवरी के मध्य से देश में COVID-19 मामलों में क्रमिक लेकिन निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। इस समय, देश में अधिकांश कोरोना मामले केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) जैसे कुछ राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं।

**टेस्टिंग को बढ़ावा देने का भी दिया निर्देश**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कई हफ्तों में कुछ राज्यों में COVID-19 की टेस्टिंग में गिरावट आई है। साथ ही यह भी पाया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित मानकों की तुलना में वर्तमान में परीक्षण स्तर अपर्याप्त हैं। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और ICMR ने सभी राज्यों को कोरोना जांच में बढ़ावा देने और लक्षणों की जानकारी देने के लिए भी कहा है।

**मॉकड्रिल में शामिल हों सभी जिलों की स्वास्थ्य इकाइयां**

इसके अलावा कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मॉकड्रिल में सभी राज्यों को शामिल होने के लिए भी कहा गया है। अप्रैल की 10 और 11 तारीख को होने वाली मॉकड्रिल में आईसीयू बेड, मेडिकल इक्विपमेंट्स, ऑक्सीजन और मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

**कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह**

इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के परामर्श के मुताबिक लोगों को कोविड के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही लोगों से भीड़भाड़ और बंद स्थानों में मास्क पहनने की सलाह दी है। साथ ही इसमें बार-बार साबुन से हाथ धोने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने की सलाह दी गई है।

**आज बीते 146 दिन में सबसे ज्यादा केस मिले**

गौरतलब है कि देश में शनिवार को कोरोना के 1,590 नए मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा बीते 146 दिन में सबसे ज्यादा हैं। आज मिले कोरोना के नए मामलों के बाद कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गयी है। वहीं, देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,47,02,257 हो गयी है। साथ ही कोरोना से मरने वालों संख्या बढ़कर 5,30,824 हो गई है। शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना संक्रमण की दैनिक दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई है वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर 1.23 प्रतिशत हो गई है।

**इन्फ्लुएंजा और श्वसन बीमारी के मामलों पर भी नजर रखने का निर्देश**

इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (ILI) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (SARI) मामलों और उसके कारणों पर भी कड़ी नजर रखने के लिए कहा है। इस समय देश में इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौसमी महामारी के साथ कोविड-19 के सह-संक्रमण के प्रबंधन के लिए पहले ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे क्लिनिकल केस मैनेजमेंट में मदद करने के लिए राज्य के भीतर सभी स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य कर्मियों को इन दिशानिर्देशों का प्रसार करें।

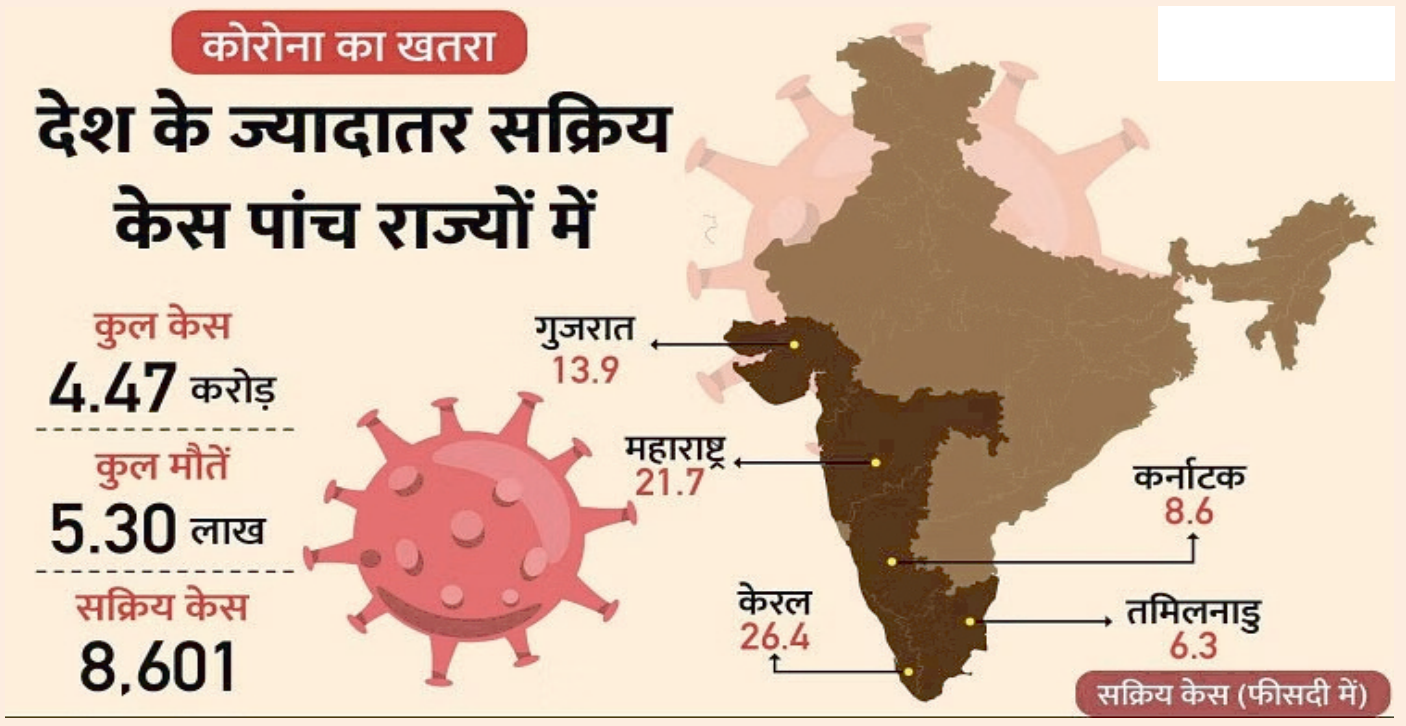


## पांच हफ्तों में नौ गुना तक बढ़ा संक्रमण, स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह- इन चार 'T' पर दें विशेष ध्यान

**नई दिल्ली।** देशभर में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर से रफ्तार पकड़ते नजर आ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 1590 लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है, 6 संक्रमितों की मौत भी हुई है। 146 दिनों में यह कोरोना के एक दिन का सबसे अधिक केस है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले पांच हफ्तों में देश में संक्रमण के मामलों में नौ गुना तक बढ़ोतरी आई है। संक्रमण के बढ़ते जोखिम को देखते हुए मंत्रालय ने सभी राज्यों को सलाह दी कि वे कोविड से मुकाबले के लिए 'चार टी' (टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण) और कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन पर विशेष ध्यान दें।

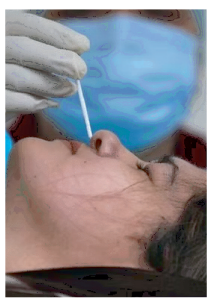

देश में ओमिक्रॉन के XBB.1.16 सब-वैरिएंट को बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है, इसकी संक्रामकता दर अन्य वैरिएंट्स की तुलना में अधिक है। इस नए वैरिएंट की इम्यून स्केप यानी की शरीर में बनी प्रतिरक्षा को चकमा देने की क्षमता इसे कई मामलों में चिंताकारक बनाती है। अलग-अलग राज्यों से भी संक्रमण के मामले में अचानक वृद्धि की खबरें हैं।

**राज्यों में बढ़े संक्रमण के आंकड़े**

स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को 6.66 प्रतिशत की सकारात्मक दर के साथ 152 नए कोरोना वायरस के मामले दर्ज किए गए। इससे पहले गुरुवार को 117 लोगों के संक्रमित पाया गया था। इससे पहले अक्टूबर में दिल्ली में एक दिन में 100 से अधिक मामले दर्ज हुए थे।

इसी तरह शुक्रवार को महाराष्ट्र में 343 नए कोविड संक्रमण और तीन मौतों की खबर है। महाराष्ट्र में अब एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 1,763 हो गई है।

देश में अब कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 8600 से अधिक हो गई है, इनमें से ज्यादातर के लिए XBB.1.16 वैरिएंट को कारण माना जा रहा है। एक रिपोर्ट में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण कहते हैं, फरवरी के दूसरे-तीसरे सप्ताह में 108-115 दैनिक मामले रिपोर्ट किए जा रहे थे, वहीं मार्च के तीसरे सप्ताह तक औसत मामले 1000 से ऊपर हो गए हैं।

**अचानक संक्रमण बढ़ने का कारण**

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिस तरह से ओमिक्रॉन के म्यूटेटेड वैरिएंट्स की प्रकृति है, उसके कारण कम समय में ही अधिकतर लोग संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। अमर उजाला से बातचीत में कोविड केयर एक्सपर्ट डॉ नरोत्तम सिंह बताते हैं, चूंकि नए वैरिएंट्स के कारण लोगों में एसिम्टोमैटिक रोग अधिक देखे जा रहे हैं, ऐसे लोगों में चूंकि संक्रमण का पता नहीं चलता है और इनसे दूसरे के संक्रमित होने का जोखिम भी अधिक रहता है, अचानक से देश में मामलों के बढ़ने का एक कारण यह भी हो सकता है।

# स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर की राज्यों को चिट्ठी

## कोरोना की जांच को लेकर कही यह बड़ी बात

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने कोरोनावायरस की जांच को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लिखी गई इस चिट्ठी में सभी राज्यों कोरोना की जांच की रफ्तार बढ़ाने और हालात पर बारीकी से नजर रखने को कहा गया है।

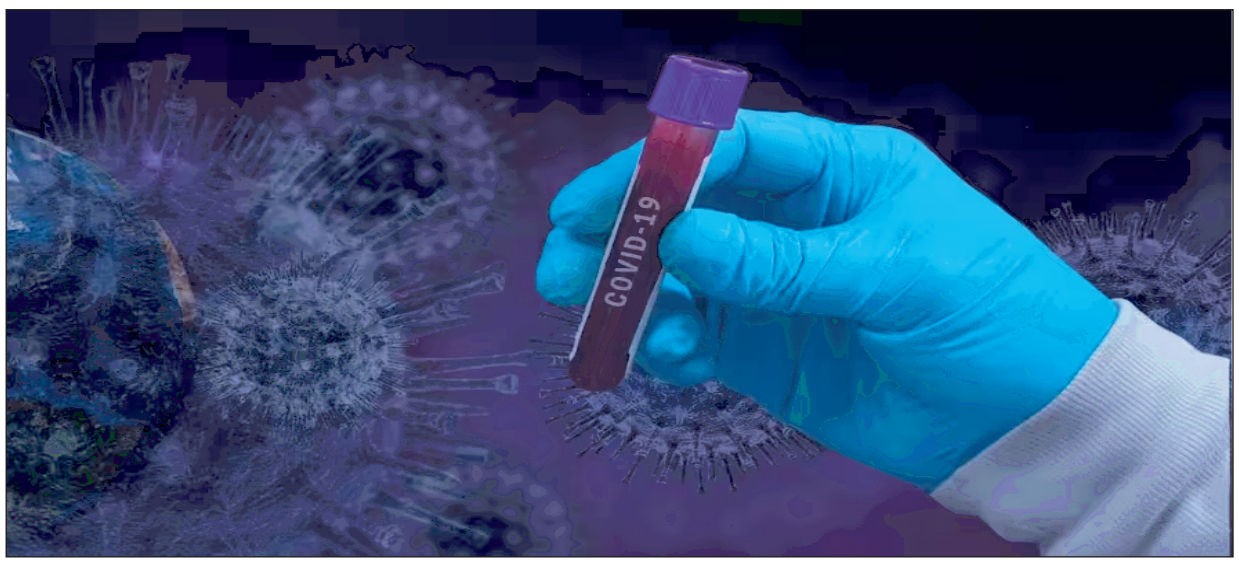


**नई दिल्ली।** दरअसल, पिछले 24 घंटे में 1590 लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है। इस दौरान छह संक्रमितों की मौत भी हुई है। 146 दिनों में यह कोरोना के एक दिन का सबसे अधिक केस है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, पिछले पांच हफ्तों में देश में संक्रमण के मामलों में नौ गुना तक बढ़ोतरी आई है। संक्रमण के बढ़ते जोखिम को देखते हुए मंत्रालय ने सभी राज्यों को सलाह दी कि वे कोविड से मुकाबले के लिए 'चार टी' (टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण) और कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन पर विशेष ध्यान दें। देश में ओमिक्रॉन के XBB.1.16 सब-वैरिएंट को बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है, इसकी संक्रामकता दर अन्य वैरिएंट्स की तुलना में अधिक है। इस नए वैरिएंट की इम्यून स्केप यानी की शरीर में बनी प्रतिरक्षा को चकमा देने की क्षमता इसे कई मामलों में चिंताकारक बनाती है। अलग-अलग राज्यों से भी संक्रमण के मामले में अचानक वृद्धि की खबरें हैं।

**कोरोना से जुड़े अहम तथ्य**

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,590 नए मामले सामने आए।

यह पिछले 146 दिन में सबसे अधिक हैं।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गई है।

पिछले 24 घंटे में कोरोना से महाराष्ट्र में तीन और कर्नाटक, राजस्थान एवं उत्तराखंड से एक-एक मरीज की मौत हुई।

अब तक मृतक संख्या बढ़कर 5,30,824 हो गई है।

संक्रमण की दैनिक दर 1.33 फीसदी दर्ज की गई, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 1.23 फीसदी दर्ज की गई।

देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,47,02,257 हो गई है।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.02 फीसदी है।

कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 98.79 फीसदी दर्ज की गई।

संक्रमण से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,62,832 हो गई है।

मृत्यु दर 1.19 फीसदी है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 220.65 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

# लॉन्ग कोविड में अजीबो-गरीब लक्षण का पता चला, लोगों को चेहरे पहचानने में हो रही है दिक्कत

कोरोना वायरस का संक्रमण, रोग के दौरान और ठीक होने के बाद भी लोगों के लिए कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बना हुआ है। संक्रमण से ठीक होने के बाद भी लोगों में लंबे समय तक कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं देखी जा रही हैं। लॉन्ग कोविड या पोस्ट कोविड के अधिकतर मामलों में थकान-कमजोरी, कुछ लोगों को सांस फूलने, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों से संबंधित दिक्कतें भी महसूस हुईं। पर हाल ही में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कुछ रोगियों में लॉन्ग कोविड में अजीबो-गरीब लक्षण देखे हैं। ऐसे रोगियों को लोगों के चेहरे पहचानने में दिक्कत हो रही है।

**नई दिल्ली।** लॉन्ग कोविड में फेस ब्लाइंडनेस की समस्या में लोगों को अपने करीबों लोगों को पहचानने में दिक्कत हो रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे न्यूरोलॉजिकल समस्या के तौर पर वर्गीकृत किया है, जिससे स्पष्ट होता है कि कोरोना वायरस दीर्घकालिक तौर पर न्यूरोलॉजिकल विकारों को भी बढ़ावा दे रहा है। अमेरिकन मीडिया में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना संक्रमण का शिकार रहे कई लोगों ने कुछ वर्षों बाद अपने परिवार के लोगों को पहचानने में कठिनाई होने की शिकायत की है। इसमें रोगियों को आवाज तो समझ आ रही है पर वह चेहरे से मैच नहीं कर रहा। एक रोगी का जिक्र करते हुए शोधकर्ताओं ने बताया- रोगी के मुताबिक ऐसे लग रहा था जैसे उसके पिताजी की आवाज़ किसी अजनबी के चेहरे से निकल रही थी।

**लॉन्ग कोविड में प्रोसोपेग्नोसिया की समस्या**

साइंस डायरेक्ट जर्नल में शोधकर्ता कहते हैं, अब तक माना जा रहा था कि कोविड-19 हृदय, फेफड़े, गुर्दे, त्वचा पर असर डाल रहा है पर लॉन्ग कोविड के रूप में कई लोगों में मस्तिष्क-न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के बारे में भी पता चला है। लॉन्ग कोविड वाले लोगों में इस तरह की दिक्कतें लंबे समय बनी रह सकती हैं।

फेस ब्लाइंडनेस या प्रोसोपेग्नोसिया असल में एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जो चेहरे को पहचानने की हमारी क्षमता को कम कर देती है। इसके शिकार लोगों के लिए अपने जाने-पहचाने चेहरों को भी पहचानना कठिन हो जाता है।

डार्टमाउथ कॉलेज के शोधकर्ताओं के मुताबिक, लॉन्ग कोविड वाले 54 प्रतिभागियों के डेटा से पता चला है कि अधिकांश को विजुअल रिकॉग्नाइजेशन की दिक्कत हो रही थी। हालांकि दुनियाभर में कोविड संक्रमित रहे 2-3 फीसदी लोगों में ही अब तक लॉन्ग कोविड के इस तरह के लक्षण देखे गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा, इस स्थिति के सटीक कारण अब तक पता नहीं चल पाए हैं, लेकिन अनुसंधान में पाया गया है कि कोरोना का संक्रमण संभवतः मस्तिष्क के उन क्षेत्रों में असामान्यताओं का कारण बन रहा है जो विजुअल इनपुट को बनाने में मदद करते हैं और चेहरे की पहचान में हमारी सहायता करते हैं।

विज्ञापन

**क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?**

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तरह की दिक्कतों को मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर वायरस के प्रभाव से संबंधित माना जा सकता है। कोविड-19 को पहले भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से संबंधित पाया गया है। हालांकि अभी इस समस्या के कारणों को समझने के लिए विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। फिलहाल अगर आप भी कोरोना से संक्रमित रहे हैं और इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो किसी विशेषज्ञ से जरूर मिलें।

अस्वीकरणः अमर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023